Translation by Pratik Wadghule, Lotus STEMM

28 सितंबर, 2022

गेर्डनर फाउंडेशन

लेट्स गेट सोशल: लेवरेजिंग सोशल मीडिया फॉर साइंटिस्ट्स (आईए सामाजिक बनें: वैज्ञानिकों के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाऐं)

[संगीत बज रहा है]

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: सभी को नमस्कार, और लेट्स गेट सोशल: लेवरेजिंग सोशल मीडिया फॉर साइंटिस्ट्स में आपका स्वागत है। मेरा नाम डॉ. रेवेन बैक्सटर है, जिसे डॉ. रेवेन द साइंस मावेन के नाम से भी जाना जाता है, और मैं आज के आयोजन के लिए आपका मेजबान और मॉडरेटर बनकर रोमांचित हूँ ।

शुरू करने से पहले, मैं इस भूमि को स्वीकार करना चाहता हूँ, जिस पर आज के कार्यक्रम का आयोजक, गैर्डनर फाउंडेशन संचालित होता है, जिसे आमतौर पर टोरंटो के नाम से जाना जाता है। हजारों सालों से, यह कई देशों की पारंपरिक भूमि रही है, जिसमें क्रेडिट के मिसिसॉगास, अनीशनाबेग, चिप्पेवा, हौडेनोसौनी और वेंडैट लोग शामिल हैं, और अब यह कई विविध प्रथम राष्ट्रों, कछुआ द्वीपभर के इनुइट और मेटिस के लोगों का घर।

हम इस भूमि पर काम करने का अवसर पाने के लिए आभारी हैं, और जैसा कि हम जानते हैं, आप में से कई टोरंटो और यहां तक कि कनाडा से भी हमारे साथ जुड़ रहे हैं। हम आपको उस भूमि के बारे में अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिस पर आप रहते हैं, काम करते हैं और Native-land.ca पर खेलते हैं।

इस कार्यक्रम की मेजबानी टोरंटो, कनाडा में स्थित गैर्डनर फाउंडेशन द्वारा की गई है। मूल मिशन सात वार्षिक प्रतिष्ठित कनाडा गेर्डनर अवार्ड्स के माध्यम से मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले मौलिक अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता को पहचानना और पुरस्कृत करना है। पुरस्कारों से परे, वे अगली पीढ़ी के शोधकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों की मेजबानी करते हैं और जनता को बेहतर शिक्षित करने के लिए खुले वैज्ञानिक प्रवचन की सुविधा प्रदान करते हैं, उन समस्याओं को समझते हैं जिनका हम सामना करते हैं और समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करते हैं। यही हम आज यहाँ कर रहे हैं।

आज का कार्यक्रम रॉयल सोसाइटी ऑफ कनाडा और साइंसअपफर्स्ट, एक एक विज्ञान केन्द्रों के कनाडाई संघ के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया है, और सीआईएचआर और कनाडा सरकार द्वारा प्रायोजित है।

हमारे पास वक्ताओं का एक ऑल-स्टार लाइनअप है जो छोटी, पांच मिनट की प्रस्तुतियाँ देगा, जो हमें एक आकर्षक गोलमेज चर्चा में ले जाएगा। मैं भी बहुत उत्साहित हूं कि ड्रॉइंग चेंज से सैम ब्रैड बातचीत को लाइव ड्रॉ करने के लिए आज यहां हैं। मैं इसे लेकर बेहद रोमांचित हूं! उन्हें आज की बातचीत को स्क्रीन पर एक अविश्वसनीय ड्रॉइंग में बदलते हुए देखें। हम सैम के साथ समय-समय पर जांच करेंगे और सोशल मीडिया पर अंतिम ड्रॉइंग की तलाश करेंगे। आप इसे @GairdnerAwards पर और ऑनलाइन gairdner.org पर पा सकते हैं।

यदि हमारे पैनलिस्टों के लिए आपके कोई प्रश्न या विचार हैं, तो कृपया यहाँ ज़ूम क्षेत्र पर प्रश्नोत्तर का उपयोग करें।

आरंभ करने से पहले, मैं विज्ञान संचार पर अपने विचारों पर कुछ त्वरित टिप्पणी साझा करना चाहता था। मुझे लगता है कि हम सभी समझते हैं कि विज्ञान संचार वास्तव में एक दोतरफा उद्यम है जिसमें वैज्ञानिकों से जनता तक और वापस सूचनाओं का मुक्त प्रवाह होता है। इसलिए विज्ञान संचार विज्ञान प्रशिक्षण का एक आधारभूत अंग है।

और जबकि वैज्ञानिक, निश्चित रूप से हम अक्सर मानते हैं कि तथ्य अपने लिए बोलते हैं, हमारे पास हमारी प्रक्रिया है और हम वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से अपने विज्ञान का संचालन कैसे करते हैं और तथ्य तो तथ्य हैं, है ना? हालाँकि, यदि लोग किसी तथ्य को नहीं समझते हैं या यदि वे तथ्यात्मक जानकारी से जुड़ नहीं पाते हैं, तो उस ज्ञान का प्रभाव और उन तथ्यों का प्रभाव छूट सकता है या सूक्ष्म हो सकता हूँ ।

इसलिए मैं आज के कार्यक्रम के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह जानने और दूसरों से साझा करने के लिए कि हम अपने वैज्ञानिक समुदाय को कैसे विस्तृत कर सकते हैं और उन रणनीतियों के बारे में सीख सकते हैं जिन्हें हम वैज्ञानिक ज्ञान और समझ को व्यापक बनाने और अपने विज्ञान समुदाय को व्यापक बनाने के लिए नियोजित कर सकते हैं। इसके अलावा, एक ऐसे समुदाय का निर्माण करना जो समावेशी हो और उन लोगों का स्वागत करता हो जो परंपरागत रूप से मुख्यधारा के विज्ञान संचार प्रयासों से चूक जाते हैं।

तो बिना किसी देरी के, मैं प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड का परिचय कराना चाहता हूं। अद्भुत। प्रोफेसर कौलफ़ील्ड स्वास्थ्य कानून और नीति में कनाडा अनुसंधान अध्यक्ष, विधि संकाय और सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल में प्रोफेसर और अल्बर्टा विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विधि संस्थान के अनुसंधान निदेशक हैं। स्टेम सेल, आनुवंशिकी, अनुसंधान नैतिकता, विज्ञान के सार्वजनिक प्रतिनिधित्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति जैसे विषयों पर उनके अंतःविषय शोध ने उन्हें 350 से अधिक अकादमिक लेख प्रकाशित करने की अनुमति दी है। उन्होंने कई अकादमिक, विज्ञान संचार और लेखन पुरस्कार जीते हैं, और रॉयल सोसाइटी ऑफ कनाडा और कैनेडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज के साथी हैं।

वें लोकप्रिय प्रेस में अक्सर योगदान देते है और दो राष्ट्रीय बेस्टसेलर के लेखक हैं: *द क्योर फॉर एवरीथिंग: अनटंगलिंग द ट्विस्टेड मैसेजेस अबाउट हेल्थ, फिटनेस एंड हैप्पीनेस एंड इज़ ग्वेनेथ पाल्ट्रो राँग अबाउट एवरीथिंग?: व्हेन सेलेब्रिटी कल्चर एंड साइंस क्लैश।* उनकी सबसे हाल की किताब रिलैक्स, *डेमिट!: ए यूजर गाइड टू द एज ऑफ एंग्जाइटी है।*

प्रोफ़ेसर कौलफ़ील्ड, साइंस एंगेजमेंट इनिशिएटिव #ScienceUpFirst के सह-संस्थापक और पुरस्कार विजेता डॉक्यूमेंट्री टीवी शो, "ए यूज़र्स गाइड टू चीटिंग डेथ" के होस्ट और सह-निर्माता भी हैं, जिसे 60 से अधिक देशों में दिखाया गया है, जिसमें शामिल हैं उत्तरी अमेरिका में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग।

यह उपलब्धियों का एक अद्भुत सेट है। वस्तुतः आपसे मिलना मेरी खुशी है!

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, रेवेन। उस तरह के परिचय के लिए धन्यवाद और, हाँ, मैं यहाँ विज्ञान संचार और सोशल मीडिया के बारे में बात करने के लिए हूँ। लेकिन मैं बुरी खबर के साथ शुरुआत करने जा रहा हूँ। मैं बुरी खबर वाला आदमी हूं क्योंकि हम एक इन्फोडेमिक के बीच में हैं! हाँ, यह ज्यादातर सोशल मीडिया का दोष है और यह लोगों को परेशान कर रहा है। यह बहुत,बहुत नुकसान कर रहा है।

आपको यह समझने के लिए कि यह कितना बुरा हो गया है, एक बहुत ही हालिया अध्ययन, रेवेन ने पाया, 5%, सिर्फ 5%। यह एक अध्ययन था जो सिर्फ़ महीने सामने आया था। यह एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन था और दुनिया भर में सिर्फ़ 5% लोगों को लगता है कि गलत सूचना का प्रसार कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। वास्तव में, अधिकांश लोग गलत सूचना के प्रसार को जलवायु परिवर्तन के साथ एक प्रमुख, प्रमुख खतरे के रूप में देखते हैं। यह हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

गलत सूचना से हुए नुकसान का आभास देने के लिए, इसे देखें। आप सभी ने 5G की कल्पित कथा के बारे में सुना होगा, यह विचार कि 5G तकनीक ने COVID का कारण बना। नहीं, ऐसा

नहीं हुआ! यह वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है। लेकिन बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना के प्रसार ने 26% लोगों को यह मानने के लिए प्रेरित किया। 26%! यह एक ऐसा अध्ययन था जो इस गर्मी में ही हुआ था। 26% कनाडाई कम से कम उस पागल विचार के लिए खुले हैं। इस को देखो। 25% कनाडाई कम से कम हार्ड-कोर साजिश के सिद्धांत के लिए खुले हैं कि बिल गेट्स ने हम सभी में माइक चिप्स डालने के लिए महामारी की शुरुआत की। बिल्कुल कोई मतलब नहीं है। जी हाँ, ये सोशल मीडिया है। हमारे पास सबूतों का एक बढ़ता हुआ निकाय है जो हमें बताता है कि सोशल मीडिया प्रमुख प्रेरकों में से एक है - न केवल प्रेरक बल्कि इस इन्फोडेमिक के प्रमुख प्रेरकों में से एक।

आपको यह समझने के लिए कि क्या हो रहा है, इतना शोध है कि हम बाद में इसकी खोज कर सकते हैं, इस अध्ययन को देखें। अभी कुछ हफ़्ते पहले, टिकटॉक पर, आपको जो प्रदर्शित किया जाता है उसका 20%, यदि आप टिकटॉक पर खोज करते हैं, तो 20% में कुछ हद तक गलत सूचना है। यदि आप टीकाकरण जैसी किसी चीज़ की खोज करते हैं, तो यह 50% है। 50% के पास गलत सूचना है।

दो अरब लोग, रेवेन, दो अरब लोग टिकटॉक पर हैं। यह मायने रखता है। इसका बहुत बड़ा असर हो रहा है। यह लोगों को मार रहा है। हाल ही में एफडीए के नए प्रमुख ने यह बात कही है। यह अतिशयोक्तिपूर्ण लगता है। उनका कहना है कि गलत सूचना के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय कमी आ रही है। यह वो बुरी खबर है।

अच्छी खबर क्या है? खैर, अच्छी खबर यह है कि हम इसके बारे में कुछ कर सकते हैं! हमारे पास विज्ञान-सूचित रणनीतियाँ हैं जिन्हें हम सोशल मीडिया पर लागू कर सकते हैं। हम वहाँ जा सकते हैं जहाँ समस्या है और हम उसे बदल सकते हैं। "हम" से मेरा मतलब सभी से है। न केवल विज्ञान समुदाय, न केवल अनुसंधान संस्थान, न केवल चिकित्सक। बिल्कुल हर कोई। लोगों को गलत सूचना फैलाने के तरीकों के बारे में बताने के लिए हमें इसका खुलासा करने की जरूरत है। हमें लोगों को इसे देखने, रुकने और इसकी सटीकता के बारे में सोचने के लिए

प्रेरित करना होगा। हमें डिबंक,यानी इसे खारिज करना है और विनियमित करना है। मैं डिबंकिंग का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं क्योंकि यह वास्तव में काम करता है। हो सकता है कि आपको ऐसा न लगे, लेकिन यह वास्तव में काम करता है। हमारे पास सबूतों का एक समृद्ध भंडार है जो हमें ठीक यही बताता है।

एक अच्छा डिबंक कैसा दिखता है? ठीक है, आपको सोशल मीडिया पर जाना होगा और आपको अच्छे विज्ञान का उपयोग करना होगा। मुझे पता है कि यह स्पष्ट लगता है लेकिन यह सच है। बनाने योग्य, साझा करने योग्य सामग्री बनाएं। आपको तर्क में अंतराल को इंगित करना होगा जो सूचना फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। वे सिर्फ आपकी भावनाओं से खेल रहे हैं। यह तो बस एक उपाख्यान है। ऐसा प्रमाणों का समुह नहीं कहता ।

नंबर तीन, आपको अच्छा बनना होगा। यह कठिन हो सकता है! आपको सुनना होगा। आपको सहानुभूति का उपयोग करना होगा, विनम्र होना होगा, संलग्न होना होगा, विविध आवाजों का उपयोग करना होगा और हाँ, रचनात्मकता जीतती है। हमें आख्यानों का उपयोग करना होगा। हमें कला का उपयोग करना होगा, सैम। हमें आख्यानों का उपयोग करना होगा। अच्छी चीजों को प्राप्त करने के लिए हमें उन सभी रणनीतियों का उपयोग करना होगा।

और हमेशा याद रखें, आम जनता आपके लक्षित दर्शक हैं, न कि वे कट्टर निषेध करने वाले जो सिर्फ़ प्रवचन का ध्रुवीकरण करेंगे। आप उन चीजों को करें, इससे फर्क पड़ेगा।

हाँ, मैं अपनी पहल #ScienceUpFirst के नारे के साथ अपनी बात समाप्त करने जा रहा हूँ। हम टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर हैं। हम ट्विटर पर हैं। आओ हमारे साथ शामिल हो जाओ। ScienceUpFirst टीम का हिस्सा बनें। हम वास्तविक अंतर लाने की कोशिश करने के लिए साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और विविध आवाज़ों का उपयोग कर रहे हैं।

बातचीत के लिए आगे स्वागत है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद। इस अद्भुत आयोजन का हिस्सा बनके सम्मानित महसूस कर रहा हूँ!

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: इस अविश्वसनीय प्रस्तुति के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, प्रोफेसर कौलफील्ड। मैंने बहुत कुछ सीखा और मैं आपके द्वारा लाई गई कुछ चीजों की गहराई में जाने का इंतजार नहीं कर सकता। बहुत उत्साहित महसूस कर रहा हूँ, इसलिए धन्यवाद!

आगे, हम डॉ. लिसा रिचर्डसन से सुनेंगे। अद्भुत। तो नमस्ते, डॉ. रिचर्डसन, और स्वागत है। डॉ रिचर्डसन टोरंटो विश्वविद्यालय में मेडिसिन के टेमेर्टी फैकल्टी में एक मिश्रित रक्त अनिशिनाबे चिकित्सक और चिकित्सक-शिक्षक हैं। वह यूनिवर्सिटी हेल्थ नेटवर्क में जनरल इंटरनल मेडिसिन का अभ्यास करती हैं और विल्सन सेंटर में एक सेंटर रिसर्चर हैं, जिसमें सामाजिक विज्ञान से चिकित्सा शिक्षा में स्वदेशी और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के एकीकरण पर विद्वानों का ध्यान है।

डॉ. रिचर्डसन टेमर्टी मेडिसिन में समावेश और विविधता के एसोसिएट डीन हैं और महिला कॉलेज अस्पताल के लिए स्वदेशी स्वास्थ्य में रणनीतिक नेता हैं, जहां उन्होंने स्वदेशी स्वास्थ्य में समझदार प्रथाओं के लिए केंद्र की स्थापना की।

डॉ रिचर्डसन स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर स्वदेशी स्वास्थ्य इक्विटी के लिए एक शक्तिशाली वकील हैं, और उनके योगदान को कई स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता दी गई है।

आज सुबह आपसे बात करना सम्मान की बात है। मैं आपके और आपके काम के बारे में और अधिक सुनने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। यहाँ आने के लिए धन्यवाद, डॉ. रिचर्डसन!

>> डॉ. लिसा रिचर्डसन: बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यहां आकर बहुत उत्साहित हूँ, और निश्चित रूप से टिमोथी का अनुसरण करने में हमेशा मजा आता है, जो आकर्षक बातचीत को समझते है।

मैं आपसे इस बारे में थोड़ी बात करना चाहता था कि मैं इस स्थान में कैसे आईऔर कुछ सबक जो मैंने इस काम को करते हुए सीखे हैं। क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि मुझे ट्विटर पर आने में वास्तव में बहुत देर हुई। इसका कारण यह है कि चिकित्सकों के रूप में, हमारे पास पेशेवर

होने का क्या अर्थ है, इसके चारों ओर बहुत तंग बॉक्स हैं। हम वास्तव में अपने पूरे प्रशिक्षण में सीमाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित हुए है। सब कुछ सीमाओं के बारे में है, व्यक्तिगत जीवन को काम से अलग करना। आप अपने आप को अपने मरीजों के सामने कैसे पेश कर रहे हैं? आपको वैध और गंभीर वैज्ञानिकों के रूप में देखा जाना चाहिए।

और मुझे लगता है कि सीमाओं के अंतर्गत उस प्रशिक्षण के कारण मैं इस दुनिया में डुबकी लगाने में काफी संकोच कर रही थी ।

और फिर मैं एक सम्मेलन में थी, एक राष्ट्रीय सम्मेलन में और मैंने एक प्रस्तुतिकरण किया था। राष्ट्रीय प्रमुखों में से एक ने वास्तव में मुझसे आके कहा, "डॉ लिसा, आप ट्विटर पर क्यों नहीं हैं? आपको हमारे समुदायों के साथ साझा करने की आवश्यकता है। आपको जानकारी साझा करने और जो आप देख रहे हैं उसे साझा करने की आवश्यकता है ताकि लोग वास्तव में विश्वसनीय जानकारी के स्रोत को देख सकें, जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं।"

तो यह वास्तव में सोचने और यह महसूस करने में था कि मैं न केवल एक चिकित्सक के रूप में बल्कि एक चिकित्सक शिक्षक के रूप में काम करती हूँ। मेरी भूमिका केवल भविष्य के चिकित्सकों को प्रशिक्षित करने की नहीं है, बल्कि यह भी है कि मैं मरीजों को कैसे शिक्षित करूँ और उनके साथ काम करूँ ताकि लोग सर्वोत्तम साक्ष्य के आधार पर ठोस निर्णय ले सकें।

मुझे एहसास हुआ कि मैं उस दुनिया के बारे में अक्सर आलोचना कर रही थी जिसमें मैंने चिकित्सा के भीतर अभ्यास किया था, जो इसकी विशिष्टता थी, कैसे इसने कई दृष्टिकोणों और लोगों को वास्तव में उस स्थान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जब तक कि आपके पास पीएचडी या एमडी न हो, अक्षरों को नाम दें, कि वास्तव में न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन या किसी अन्य मेडिकल जर्नल में यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण से परे ज्ञान साझा करने में सक्षम होने की आवश्यकता थी, जिसे अन्य लोग आसानी से प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

इसलिए कुछ मायनों में मैंने इसे न केवल समुदाय से उपस्थित होने के लिए एक धक्के के रूप में देखा, बल्कि वास्तव में अकादमी में और विज्ञान के भीतर, चिकित्सा के भीतर, हमारी प्रयोगशालाओं के भीतर हो रहे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कार्यों को वास्तव में सुनिश्चित करने के लिए एक काम के रूप में देखा। वास्तव में यह सुनिश्चित करने के लिए कि अन्य लोगों की उस महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुँच है।

यह विश्वसनीय जानकारी साझा करने के अवसर के बारे में था, जो निश्चित रूप से, महामारी के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गया। और मुझे लगता है कि मैंने इसे एक अवसर के रूप में भी देखा जहाँ स्वदेशी लोगों और विशेष रूप से टीकों के आसपास के अन्य समुदायों में प्रयोग और वैज्ञानिक बहिष्कार और अनैतिक वैज्ञानिक प्रथाओं के इतिहास के आधार पर हिचकिचाहट थी। यह, महामारी के दौरान, लोगों को समझने और वास्तव में सार्थक प्रश्न पूछने का एक वास्तविक अवसर बन गया, जो साक्ष्य-आधारित अभ्यास के माध्यम से स्वयं और उनके समुदायों की रक्षा करेगा।

इसलिए इसमें शामिल होने से मुझे एक समुदाय, एक ऑनलाइन समुदाय भी मिला, जो बहुत महत्वपूर्ण था। उदाहरण के लिए, यूसीएफएस में एक स्वदेशी मेड छात्र से जुड़ना। दुनिया भर में समुदाय होना, उस समुदाय और जुड़ाव को बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

मुझे जो उम्मीद नहीं थी, वह थी व्यंग्य और लक्ष्यीकरन। आपको मेरा सबक यह है कि आप इसके प्रति बहुत सचेत रहें। हम में से कुछ दूसरों की तुलना में अधिक लक्ष्यीकरण का अनुभव करते हैं। हम देखते हैं कि हमारी बीआईपीओसी महिला पत्रकारों में, उदाहरण के लिए, अन्य वैज्ञानिकों के बीच क्योंकि कुछ निश्चित पहचान हैं जिन्हें स्वाभाविक रूप से पूर्वाग्रह, वगैरह के माध्यम से अधिक वैध माना जाता है। मुझे लगता है कि हम में से कुछ लोगों के विपरीत उन लोगों पर हमले कम होते हैं जो उन प्रमुख समूहों में से एक के रूप में नहीं होने की पहचान कर सकते हैं और लगभग बिजली की छड़ की तरह होने की अधिक संभावना रखते है।

मेरे याद दिलाने वाले संदेश के रूप में, नंबर एक, उन सिद्धांतों के बारे में सोचें जिनमें आप इस काम में संलग्न होंगे। रूपरेखा तैयार करें कि आपका विशिष्ट दायरा क्या है और आपकी विशेषज्ञता का क्षेत्र क्या है और यदि आपके रास्ते में कुछ ऐसा आता है जो आपके विशिष्ट क्षेत्र में नहीं है तो आप किसकी आवाज को बढ़ाएंगे।

नंबर दो, सम्मान के साथ जुड़ें। कृपया, यह एक अनियंत्रित वातावरण है जहाँ मतलबी होने का और चोट का स्तर बहुत दर्दनाक है। तो कृपया, सम्मान से संबंधित उस शिक्षण को बनाए रखें।

नंबर तीन, जब लोग ऐसा नहीं कर रहे हैं तो हमें नियमन पर जोर देना होगा। और मुझे लगता है कि यह वर्तमान में एक अनियमित वातावरण है, और उन प्रतिभूतियों और सुरक्षा उपायों को बनाने का क्या मतलब है ताकि हम जानकारी साझा करना जारी रख सकें और इस महत्वपूर्ण कार्य को एक साथ आगे बढ़ा सकें और यह महसूस न करें कि हम वास्तव में इससे घायल और आहत हो रहे हैं।

तो वे मेरे शुरुआती विचार हैं। मेगवेच, और मैं आगे की बातचीत के लिए तत्पर हूँ। धन्यवाद, रेवेन।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: धन्यवाद, डॉ. रिचर्डसन। आपने जो कुछ भी कहा वह मुझे बहुत अच्छा लगा। विशेष रूप से विज्ञान को संप्रेषित करने में सहानुभूति पर जोर देने वाली बात। मैं इसके बारे में और बात करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। आपके विचार बांटने के लिए बहुत - बहुत शुक्रिया।

अब मैं अपने अगले वक्ता डॉ. पारशती पटेल का परिचय कराऊंगा। अद्भुत। स्वागत है, डॉ. पटेल। आज इस कार्यक्रम के लिए आपको हमारे साथ यहां पाकर बहुत अच्छा लगा।

श्रोतागण, डॉ. पटेल वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में स्थित एस्ट्रोफिजिसिस्ट से साइंस कम्युनिकेटर, लेखक और शिक्षक बनी हैं। 10 से अधिक वर्षों से, पार्शती, स्थानीय और राष्ट्रीय आउटरीच पहलों के माध्यम से, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से, कनाडा के लोगों, विशेष रूप से युवाओं के साथ अंतरिक्ष के लिए अपने जुनून को साझा कर रही है। संस्थागत सोशल मीडिया के प्रबंधन

से लेकर खगोलीय घटनाओं और सोशल मीडिया पर अंतरिक्ष अनुसंधान को संप्रेषित करने तक, पारशती को लोगों के बीच अंतरिक्ष जागरूकता बढ़ाने का व्यापक अनुभव है। स्वागत। मैं आपसे सुनने के लिए बहुत उत्साहित हूँ । जारी रखें।

>> डॉ. पारशती पटेल: धन्यवाद। इस पैनल में टिम और लिसा का अनुसरण करना बहुत कठिन है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आज मैं आपके साथ अपनी यात्रा का एक टुकड़ा साझा कर सकती हूँ कि मैं डिजिटल उपस्थिति और स्थान के क्षेत्र में कैसे आई और मैं कैसे वहा अपनी जगह तराश पाई। मैं इस क्षेत्र में बहुत नई हूँ, इसमें 10 साल हुए हैं, लेकिन मैं इस अनुभव को और जो मैंने अब तक सीखा है उसे साझा करने की उम्मीद कर रही हूँ।

एक जगह बनाने का मतलब है कि आप अपने बारे में क्या जानते हैं, आप कौन हैं, आपकी ताकत क्या हैं और आप क्या साझा करने में सहज हैं। मुझे लगता है कि शोध या किसी और के शोध के बारे में बात करने के लिए सोशल मीडिया पर जाने की योजना बनाते समय आप यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू सोच रहे हैं। यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है कि आप मंच पर क्या लाते हैं या आप क्या संदेश भेज रहे हैं।

मैं अपनी यात्रा को संक्षिप्त में बताकर आपको कुछ उदाहरण दिखाती हूँ जो मुझे लगता है कि वास्तव में लोगों के साथ प्रतिध्वनित हुई है और उन चीजों की ताकत दिखती है जो मैं अपने बारे में जानती हूँ।

तो सबसे पहले, आप जानते हैं, मैं वास्तव में सोशल मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने में सक्षम होना, विज्ञान संचार ऑनलाइन विज्ञान संचा, वास्तव में एक पॉडकास्ट के माध्यम से हुआ था। मैंने इस पॉडकास्ट के लिए स्वेच्छा से काम किया और मेरा एक काम इसके बारे में पढ़ना और पोस्ट करना था। मुझे इस समय तक सोशल मीडिया के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मुझे समझना पड़ा कि पॉडकास्ट का क्या मतलब है। ऐसा करते हुए, मुझे वास्तव में कुछ वीडियोग्राफी करने का अवसर मिला। कुछ ऐसा जो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आने वाले इन नए एपिसोड के बारे में वीडियो लेकर ऑनलाईन पोस्ट करूँगी।

इसने मुझे विश्वविद्यालय में वेधशाला में काम करने का एक अवसर दिया, जहां फिर से, मैं इस नए पॉडकास्ट के बारे में पोस्ट करने के अनुभव का उपयोग कर रही थी जो हमारे पास था। मैं उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को करने में सक्षम थी, और फिर से, जैसे-जैसे मैं सीख रही थी, मैं यह भी देख रही थी कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं, देख रहे हैं, और क्या काम करता है और क्या काम नहीं करता है। उस अनुभव के माध्यम से, मैंने वास्तव में अपने बारे में बहुत कुछ सीखा और यह भी सीखा कि यदि मुझे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना पड़े तो वह मैं कैसे करूँगी।

मैं फिर से अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति में आई, अपने पीएचडी के खेल में बहुत देर से आई। मैंने अपने शोध के बारे में ट्वीट करना या पोस्ट करना और सामान्य तौर पर अंतरिक्ष के बारे में पोस्ट करना तीसरे या चौथें वर्ष से चालू किया। इसके साथ, मैं वास्तव में, कुछ वर्षों के भीतर, एक संस्था खाते के लिए ऐसा करने का अनुभव रखने के कारण, इसे अपने खाते में शामिल कर पाई और अपना स्वयं की वैशिष्टता ला सकी, जो कि मैं एक संस्थागत खाते के साथ नहीं सकती थी।

उस यात्रा के दौरान मैं सामान्य जनता व अपने साथी शोधकर्ताओं के साथ अंतरिक्ष के विषयों पर तथा सामान्य रूप से अपने जुनून,जो कि फिर से अंतरिक्ष व शिक्षा ही है,से जुड़ने में सक्षम रही।

कुछ ऐसा जो मुझे वास्तव में पसंद आया वह था ट्विटर पर और अब इंस्टाग्राम पर पोस्ट करना। मैं आपको कुछ विविध उदाहरण दिखाऊँगी जो मुझे लगता है कि लोगों के साथ बहुत प्रतिध्वनित होते हैं। ट्विटर उन प्लेटफार्मों में से एक है जहाँ शोधकर्ता होते हैं। यदि आप अपनी यात्रा शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह शुरू करने के लिए एक अच्छी जगह है। शुरू करने के सबसे आसान तरीकों में से एक थ्रेड का उपयोग करना है। मुझे ये विशेष रूप से पसंद हैं क्योंकि मैं इस थ्रेड के माध्यम से गहरी बातचीत, विचारों, इत्यादि में गोता लगा सकती हूँ । वे बस क्रम में पोस्ट के बाद बस पोस्ट हैं।

आज मैं आपके लिए वह एक उदाहरण लाई हूँ जो जनता के लिए था। 2020 में, महामारी के दौरान, हम एक धूमकेतु को देख पाये थे। । इस बारे में जो बात मुझे उत्साहित करती थी, वह यह थी कि मैं यह साझा कर सकती थी कि लोग धूमकेतु की तस्वीरें कैसे ले सकते हैं।

अगला जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत पसंद है वह है इंस्टाग्राम पर रीलों का उपयोग करना। एक वैज्ञानिक के रूप में एक चीज जो आप फिर से कर सकते हैं, वह है अपनी वैशिष्टता को उभार लाना। ऐसा करने का एक तरीका यह है कि लोगों की प्रवृत्ति पर ध्यान देना है। यहाँ एक चलन है जिसके बारे में लोग बात कर रहे थे कि उनकी गर्लफ्रेंड किस चीज से बनी है। मैं एक खगोल भौतिकीविद् के रूप में आई कि मनुष्य या लड़कियां किस चीज से बनी हैं। आप अपनी विशेषज्ञता को किसी भी चीज़ में ला सकते हैं जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं। यह जानना कि आप मेज पर क्या लाते हैं, बहुत महत्वपूर्ण है।

अंतिम लेकिन कम से कम उदाहरण जो मैं देना चाहूँगी वह है विज्ञान संचार अपनी मातृभाषा में करना और कभी-कभी हिंदी में भी, जो मेरी दूसरी भाषा है। यह कुछ ऐसा है जिसे करने के लिए मुझे अपने सुखद क्षेत्र से बाहर कदम उठाना पड़ा, लेकिन मुझे वास्तव में विभिन्न कार्यक्रमों का हिस्सा बनने में मज़ा आया जो सामान्य रूप से विज्ञान या अंतरिक्ष के बारे में बात कर रहे थे और ऐसे लोगों तक पहुँचने में भी जो आमतौर पर कभी, एक अंग्रेजी वीडियो नहीं सुनते हैं या ऐसा पोस्ट नहीं देखते है जो उनकी मातृभाषा में न हो । मुझे महामारी के दौरान बहुभाषी प्रस्तुति करने में बहुत मज़ा आया और मुझे लगता है कि जैसे-जैसे मैं इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता बढ़ाऊंगी उसके साथ-साथ बहुभाषी प्रस्तुती करना जारी रखूंगी।

तो इस तरह से समापन के लिए, मैं वास्तव में कुछ ऐसे अवसर दिखाना चाहता था जो सोशल मीडिया के कारण मेरे रास्ते में आए। उनमें से एक वह किताब थी जिसे मैंने पिछले साल लिखा था, मेरी सितारों और ग्रहों की किताब। बोलने के कार्य, मीडिया के कार्यों की तरह इसलिए आए क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर अपनी विशेषज्ञता के बारे में बात कर रही थी। मैं बहुत भाग्यशाली थी कि सोशल मीडिया पर अपने पिछले पांच से छह वर्षों के दौरान ऐसा करने में सक्षम रही ।

इसलिए सोशल मीडिया पर आने में संकोच न करें। अन्य लोगों के निरिक्षण के लिए अपना समय लें, यह देखे कि आपके लिए क्या काम करता है और अपना समय निकालकर लोगों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करें।

मैं बस यहीं रुकती हूँ और मुझे मेरी यात्रा या अनुभवों के बारे में आपके किसी भी प्रश्न का उत्तर देने में खुशी होगी। शुक्रिया।

>> डॉ रेवेन बैक्सटर: यह बहुत अच्छा है, डॉ पार्शती। अपना काम साझा करने के लिए धन्यवाद। मुझे हाल ही में इस बात से अवगत कराया गया था कि अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में देशी वक्ता अक्सर विज्ञान के शब्दों को नहीं सीखते हैं जो उन्हें अंग्रेजी में विज्ञान को संप्रेषित करने की आवश्यकता होती है, इसलिए जितना अधिक हम अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में विज्ञान को सामान्य कर सकते हैं, यह एक प्रभाव डाल सकता है। आपकी प्रस्तुति के लिए धन्यवाद और आपकी पुस्तक के लिए बधाई! एक दम बढ़िया।

आज हमारे अंतिम वक्ता एलिस फ्लेकर्स हैं।

[संगीत बज रहा है]

आपका स्वागत है, ऐलिस! आज आपका यहाँ हमारे अंतिम लेकिन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रस्तुतकर्ता के रूप में होना अद्भुत है।

एलिस, मेरे साथियों, स्कॉलकॉमलैब में एक शोधकर्ता है और साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय के अंतःविषय अध्ययन कार्यक्रम में डॉक्टरेट उम्मीदवार है, जहाँ वह डॉ जुआन पाब्लो अल्परिन की देखरेख में काम करती है ताकि यह पता लगाया जा सके कि स्वास्थ्य विज्ञान ऑनलाइन कैसे संचार किया जाता है। उनका डॉक्टरेट अनुसंधान को एसएसएचआरसी से जोसेफ-आर्मंड बॉम्बार्डियर कनाडा स्नातक छात्रवृत्ति और एसएफयू से माइकल स्टीवेन्सन स्नातक छात्रवृत्ति द्वारा समर्थित है।

इसके अलावा, ऐलिस कई गैर-लाभकारी संगठनों से जुड़ी हुई हैं जिससे वह विज्ञान के साथ अधिक से अधिक जुड़ सके और सार्वजनिक समझ को बढ़ावा दे सके। वह साइंस बोरेलिस की न्यू साइंस कम्युनिकेटर्स प्रोग्राम समन्वयक हैं, कनाडा के साइंस राइटर्स एंड कम्युनिकेटर्स के बोर्ड में निदेशक हैं और साइंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क के सार्वजनिक संचार के लिए वैज्ञानिक समिति की सदस्य हैं। ऐलिस एक स्वतंत्र स्वास्थ्य और विज्ञान लेखक भी हैं, जिनका काम ग्लोब एंड मेल, नेशनल पोस्ट और नॉटिलस में अन्य आउटलेट्स में दिखाई दिया है।

बहुत प्रभावशाली, ऐलिस। मैं आपसे सुनने के लिए उत्साहित हूं। कृपया इसे आगे बढ़ाऐ।

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: बहुत-बहुत धन्यवाद। वैंकूवर में पलने-बढ़ने के दौरान, बहुत बारिश होती थी, और ऐसा ज़्यादा कुछ नहीं है जो आप बारिश में कर सकते हैं। इसलिए मैं और मेरे दोस्त अक्सर एक ऐसा खेल खेलते थे जिसे आप में से कुछ लोग टेलीफोन कहते हैं। एक व्यक्ति अपने बगल वाले व्यक्ति की तरफ झुककर उनके कान में एक संदेश फुसफुसाता है। कुछ सरल। जैसे कि "मुझे लगता है कि आपके बाल अच्छे लग रहे हैं।" और वह व्यक्ति उसे जो समझा है उसे उसके बगल वाले व्यक्ति को फुसफुसाता है जो फिर उसके बगल वाले व्यक्ति को फुसफुसाता है और यह इसी तरह आगे चलता है। संदेश क्या बन गया था, यह सुनने के लिए हम सभी श्रृंखला के उस अंतिम व्यक्ति के पास एकत्रित होते थे। अधिकतर, यह कुछ ऐसा होता था जैसे "आपका सिर जूँ से भरा है।"

यह एक नादान कहानी है लेकिन मुझे लगता है कि यह सोशल मीडिया के उन प्रमुख पहलुओं की ओर इशारा करती है जिनके विज्ञान संचार के लिए लाभ और जोखिम दोनों हैं। सोशल मीडिया आपको बहुत व्यापक और विविध दर्शकों तक पहुंचने देता है, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं जो वास्तव में आपके अपने प्रत्यक्ष दायरे के अंदर नहीं हैं, वे लोग जो आपसे थोड़े दूर हैं जिनसे आप सामान्य रूप से बातचीत में पहुँच पाएंगे।

उस जानकारी के लिए एक बहु-चरणीय प्रवाह भी है, जहाँ आप लोगों से सीधे संवाद नहीं कर रहे हैं, बल्कि अन्य लोग भी हैं जो आपकी जानकारी को लेते है और इसे अगले और अगले और अगले

इंसान तक पहुँचा रहे हैं। इस प्रवाह की प्रकृति के कारण, संचार की उस श्रृंखला में हर कड़ी में एक ऐसा स्थान है जहां अर्थ को संभावित रूप से बदला जा सकता है।

हमने इसे स्वयं के शोध के साथ-साथ कनाडा और दुनिया भर के अन्य विद्वानों के शोध में देखा है, जैसे कि, सोशल मीडिया पोस्ट नए COVID-19 अनुसंधान के बारे में नई कहानियों को प्रसारित करने वाले, उपयोगकर्ता बहुत व्यापक मिश्रण से बना है, और इसमें पत्रकार और विज्ञान संचारक जैसे सामान्य संदिग्ध शामिल हैं। लेकिन हम राजनेताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों, व्यावसायिक पेशेवरों और उस जानकारी में योगदान करने वाले लोगों और इसे अपने नेटवर्क में दूसरों तक पहुँचाने वाले लोगों से साझा करते हुए भी देखते हैं।

उस उज्ज्वल पक्ष पर, इसका मतलब है कि जो लोग कभी भी COVID-19 के बारे में एक शोध लेख नहीं पढ़ते या विज्ञान समाचार नहीं पढ़ते, वे गलती से विज्ञान के बारे में जान सकते हैं। सिद्धांत रूप में, यह विज्ञान साक्षरता में सुधार करने में मदद कर सकता है। यह नए विकास के बारे में बातचीत में उन लोगों को ला सकता है जिन्हें कभी-कभी विज्ञान से बाहर रखा जाता है। यह लोगों को उनके दैनिक जीवन में अधिक सूचित और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में मदद कर सकता है।

जैसा कि मेरी कहानी ने संकेत दिया है, विज्ञान के इस बहु-चरणीय प्रवर्धन जो ऑनलाइन हो सकते हैं, उसके साथ खतरे भी जुड़े है क्योंकि उस प्रवाह में हर कदम पर, संचार करने वाला व्यक्ति अर्थ को थोड़ा सा बदल सकता है।

जबकि कुछ अभिनेता, इस पलायन में योगदान देने वाले कुछ उपयोगकर्ता, जैसे पत्रकार या वैज्ञानिक, यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत विचार या ध्यान रखते हैं कि वे एक प्रभावी और सटीक तरीके से साक्ष्य साझा कर रहे हैं, ध्यान से उन परिणामों को तैयार करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे 'किसी भी अनिश्चितताओं के बारे में पारदर्शी है, कुछ भी प्रचारित नहीं किया जा रहा है, कि किसी भी जोखिम को पर्याप्त रूप से संप्रेषित किया जा रहा है, परंतु बहुत से अन्य लोग

जो उस संदेश से जुड़ रहे हैं, जरूरी नहीं कि वे इस बात पर ध्यान दें और सोचें कि वे विज्ञान का संचार कैसे कर रहे हैं।

यह थोड़ा कयामत और निराशाजनक हो रही है, लेकिन यहां कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्ष हैं, चाहे आप एक वैज्ञानिक हों जो एक नए पेपर के बारे में ट्वीट कर रहे हों या एक पत्रकार या ब्लॉगर जो नए शोध के बारे में लिख रहे हों या सिर्फ एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता जो विज्ञान से संबंधित कुछ ऑनलाईन साझा कर रहा हो,इन सभी मामलों में आप टूटे हुए टेलीफोन के उस खेल को ध्यान में रख सकते हैं। अपने आप से पूछें, यह संदेश कहाँ से आया? क्या मैंने वास्तव में इसे सही ढंग से समझा? मेरे बगल वाले व्यक्ति को इस संदेश के कौन से हिस्से गलत लग सकते हैं?

दूसरे शब्दों में, यह हम सभी पर निर्भर है, चाहे वैज्ञानिक हों या नहीं, यह सुनिश्चित करना है कि ऑनलाइन प्रसारित की गई जानकारी सही और प्रभावी ढंग से चित्रित की गई है। शुक्रिया।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बहुत-बहुत धन्यवाद, ऐलिस। यह सुनकर खुशी हुई, और मैं एक गोलमेज चर्चा के लिए जल्द ही सभी को इकट्ठा करने के लिए उत्साहित हूँ ।

लेकिन इससे पहले कि हम ऐसा करें, याद है कि हमारे पास ड्रॉइंग चेंज से सैम ब्रैड थे, जैसा कि आपने स्क्रीन पर समय-समय पर आते देखा। सैम आज प्रस्तुतियों को चित्रित करने के लिए एक ड्राइंग पर काम कर रहे है। तो इसमें बहुत कुछ सीखने जैसा था, लेकिन आइए सैम के साथ देखें कि सैम ने क्या बनाया है। नमस्ते सैम!

>> सैम ब्रैड: हाय, रेवेन। बहुत बहुत धन्यवाद! हाँ, हमने सूचनाओं के इतने महत्वपूर्ण समूह सुने हैं, जैसे कि हमारे समुदाय को ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखे गए लोगों तक विस्तारित करना, कि इन्फोडमिक मौजूद है लेकिन जानकारी को डिबंक करना काम आता है। खुद को जानने से शुरू करें लेकिन अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने से एक जगह बनाई जा सकती है। स्वदेशी स्वास्थ्य समानता के बारे में जानकारी साझा करने से स्वास्थ्य समानता को बढ़ावा मिल सकता है और यह

वास्तव में महत्वपूर्ण है कि लोग सम्मान बनाए रखें और जानें कि किस दायरे का समर्थन किया जा सकता है।

हमने लिसा से अर्थ-निर्मिती को ऑनलाइन बदलने के बारे में भी सुना। तो वे प्रश्न कि जानकारी कहाँ से आती है, कोई और इसे बाद में कैसे साझा कर सकता है, वास्तव में आगे बढ़ने के बारे में सोचने में मदद करता है। मैं चित्र बनाना जारी रखूंगा और बाद में सभी के लिए चित्र दिखाऊँगा । मैं बात करना भूल गया हूँ। जाहिर तौर पर मैं केवल अब बात करना जानता हूँ [हँसी]। आपके पास वापस, रेवेन।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बहुत बढ़िया! आपके पास पहले से जो है वह बहुत प्रभावशाली है। रचनात्मक दिमाग बहुत आकर्षक होता है जब आप विज्ञान और कला के बीच इन संबंधों को बना सकते हैं और वास्तव में कुछ ऐसा बना सकते हैं जिसे लोग समझ और देख सकें। अद्भुत! यह देखो। मैं फिर से आने का इंतजार नहीं कर सकता।

आइए गोलमेज चर्चा में शामिल हों। हमने प्रस्तुतियों और दिलचस्प बातों को सुना है जो आप में से प्रत्येक द्वारा लाई गई हैं। मैं आप सभी के लिए प्रश्नों का एक सेट रखने जा रहा हूं। मैं केवल दर्शकों को यह याद दिलाना चाहता हूँ कि आप अपने प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए प्रश्नोत्तर सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

इस बीच, टिम, मेरा पहला प्रश्न आपके लिए है।

आपने डिबंकिंग के महत्व के बारे में बताया। मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूँ, क्या आपको ऐसा लगता है कि डिबंक करने का कोई गलत तरीका है? डिबंकिंग की बुरी प्रथाएं क्या हैं? क्या आप संभावित रूप से गलत सूचना फैलाकर स्थिति को और खराब कर सकते हैं? डिबंकिंग वास्तव में आप पर कब उल्टा पड़ सकता है?

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: यह एक अच्छा सवाल है। रेवेन, मैं इसे हर समय पत्रकारों और वैज्ञानिकों से सुनता हूँ। लोग कहते हैं, मैं 5G मिथक को खत्म नहीं करना चाहता क्योंकि मैं इसे

फैलाऊंगा या मैं लोगों को उनके विचारों में और अधिक मजबूत बना दूंगा। दरअसल, इसे बैकफायर इफेक्ट(प्रभाव) कहा जाता है और इस इफेक्ट को लेकर चिंता जताई जा रही है।

वास्तविकता यह है कि सबूत वास्तव में गड़बड़ हैं और हाल ही में सामने आए अधिकांश अध्ययनों से पता चलता है कि बैकफायर प्रभाव या तो नहीं होता है। बहुत बार आप डिबैंकिंग के बारे में बात कर रहे हैं। या यह बहुत ही संदर्भ-विशिष्ट है, खासकर जब आम जनता के बारे में बात हो रही हो। तो यह अच्छी खबर है। हमें प्रभाव को हमें डराने नहीं देना चाहिए। विद्वानों के एक समूह द्वारा किया गया एक अच्छा अध्ययन था जो कहता है कि किसी चीज़ को डिबंक करना सुरक्षित है, जानकारी को डिबंक करते समय दोहराना सुरक्षित है। तो यह अच्छी खबर है।

यह कहने के बाद, रेवेन, मुझे लगता है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण है, हमेशा विज्ञान, तथ्य, को यादगार चीज बनाना चाहिए, जिसे लोग दूर अपने साथ ले जाऐंगे । मुझे लगता है कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है।

लब्बोलुआब यह है कि बैकफ़ायर प्रभाव को से डरके लोगों के साथ साझा करना न छोड़े।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बहुत-बहुत धन्यवाद। हाँ, मैंने बैकफायर को खारिज करने और लोगों को वैज्ञानिक संदेश न मिलने के कई प्रयास देखे हैं। मैंने बार-बार डिबंकिंग का मिथक देखा है। जब यह किया जाता है, तो कई बार तथ्य खो जाता है, भले ही उन्होंने कोशिश की हो। तो हाँ, यह बहुत अच्छी बात बोली है।

ऐलिस, मेरा अगला प्रश्न आपके लिए है। मैं जानना चाहता हूँ, हम इस बारे में क्या जानते हैं कि पत्रकार उभरते हुए विज्ञान, विकास में चल रही चीजों, ब्रेकिंग साइंटिफिक न्यूज को कैसे संप्रेषित करते हैं? हम जानते हैं कि विज्ञान एक प्रक्रिया है और कई बार हम सोमवार को जो निष्कर्ष निकालते हैं, वे शुक्रवार को निकाले गए निष्कर्ष से भिन्न हो सकते हैं। तो हम उभरते हुए विज्ञान को कैसे संप्रेषित करते हैं? जब उभरते हुए विज्ञान को सोशल मीडिया पर साझा किया जाता है तो कौन सी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं?

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: हाँ, यह वास्तव में एक महान प्रश्न है और पिछले तीन वर्षों या ढाई वर्षों से एक बहुत ही सामयिक प्रश्न रहा है, हालाँकि आप गिनती कर रहे हैं। हमने इसे COVID के साथ बहुत देखा है। हर समय नए अध्ययन सामने आ रहे थे, इसलिए जो चीजें हम जानते थे या जो एक सप्ताह पहले तथ्य थे, वे अब एक सप्ताह बाद भी तथ्य नहीं हैं क्योंकि नए सबूत सामने आ रहे थे।

चुनौती यह है कि पत्रकारों ने ऐतिहासिक रूप से विज्ञान के बारे में संवाद करते समय अनिश्चितता और बहुत सारे संदर्भ को कम करने की कोशिश की है क्योंकि अनिश्चितता गड़बड़ और भ्रमित करने वाली है और आपकी कहानी को लंबी और जटिल और कम प्रभावशाली बनाती है। यदि आप इस दवा को बिना मिलाए उपयोग करते हैं, तो आपके बेहतर होने की संभावना 5% है, यदि आप व्यक्तियों के इस समूह से संबंधित हैं और इनमें ये विशेषताएं हैं और कुछ संभावना है कि यह काम नहीं कर सकता है क्योंकि हम अभी भी हमारे नैदानिक परीक्षणों के चरण तीन में हैं।

ये बारीकियां खो सकती हैं और कहानियों में शामिल होने पर भी वे अक्सर कहानियों के निचले भाग के पास होती हैं क्योंकि पत्रकार अक्सर शुरुआत में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी डालते हैं। दुर्भाग्य से, कभी-कभी एक पत्रकार को जो महत्वपूर्ण लगता है, वह वैज्ञानिक को महत्वपूर्ण नहीं लगता । जब सोशल मीडिया की बात आती है, तो अपनी कहानी के लिए शीर्षक लिखने वाला व्यक्ति शायद पत्रकार ना हो, वही शीर्षक को ही केवल लोग देखते हैं। ट्विटर पर साझा किए जाने वाले दो तिहाई लिंक पर कभी क्लिक नहीं किया जाता है। तो वह शीर्षक कभी-कभी कहानी होती है, और जब एक संपादक, जिसे विज्ञान का ज्ञान नहीं है, बस एक छोटे से आकर्षक आंकडे छाप रहा है, फिर यही जानकारी साझा हो रही है। वहाँ एक वास्तविक खतरा है, खासकर यदि लोग संदर्भ से उद्धरण खींच रहे हैं या अपना स्वयं का फ्रेमिंग जोड़ रहे हैं, तो उस शीर्षक का उपयोग कभी-कभी एक ऐसा संदेश साझा करने के लिए करते हैं जो वास्तव में विज्ञान के विपरीत है।

साथ ही, ऑनलाइन चीजें हमेशा के लिए जीवित रहती हैं, इसलिए जब विज्ञान बदलता है, तो लोग बहुत निराश हो सकते हैं। हमने यह COVID महामारी के दौरान बहुत होते देखा और

विज्ञान के अन्य नए रूपों, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ भी। यह उन चीजों में से एक है जिनसे हमें ऑनलाइन संचार संकेतकों के रूप में निपटना है।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: इसके लिए धन्यवाद। मेरे पास एक अनुवर्ती प्रश्न है। यह वास्तव में सभी के लिए है।

जब ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हम अभी तक नहीं जानते हैं या शायद जिनका हमारे पास तत्काल उत्तर नहीं है, तो आपको अपने और दर्शकों के बीच विश्वास संबंध को बाधित किए बिना इस बात को बताने का सबसे अच्छा तरीका क्या लगता है?

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: मैं पहले जल्दी बोल सकती हूँ लेकिन मुझे यकीन है कि यहां अन्य लोगों के पास भी इस पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है।

पारदर्शिता और खुलापन और सहानुभूति का टुकड़ा। यह कहना कि हम मनुष्य और वैज्ञानिक हैं और हम प्रक्रिया में हैं, जो लगातार चलती रहती है और बहुत पारदर्शी रहना। मेरा मानना है कि बीसी में, हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने ज्यादातर लोगों को यह बता के काफी अच्छा काम किया है कि यह कम से कम अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य आंकड़ों की तुलना में बदल सकता है। महामारी के दौरान उन पर काफी भरोसा किया गया था, और मुझे लगता है कि अज्ञात और अनिश्चितताओं के बारे में खुलेपन और पारदर्शिता से बताकर और सबूतों की विकसित प्रकृति ने उस उच्च विश्वास में एक भूमिका निभाई जिसे वह बनाए रखने में सक्षम थी।

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: मैं भी जल्दी बोलना चाहुँगा, रेवेन। मैं ऐलिस की हर बात से सहमत हूँ। उसने अनिश्चितता नृत्य को समझाने का अच्छा काम किया। ऐसे अनुभवजन्य साक्ष्य हैं जो ऐलिस ने जो कहा वह ठीक उसी का समर्थन करते है। लोग अनिश्चितता के बारे में सुनना चाहते हैं। वे वह पारदर्शिता चाहते हैं। यह कोई जादुई फिक्स नहीं है। यह अधिक जटिल है। कभी-कभी लोग देखते हैं कि सॉसेज कैसे बनता है और फिर सोचते है ओह, मुझे यह पसंद नहीं

है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे अनिवार्य रूप से इसमें मान लेंगे, लेकिन दीर्घकालिक, पारदर्शिता, अनिश्चितता के बारे में ईमानदार होने से वास्तव में फर्क पड़ता है।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: धन्यवाद! तो दर्शकों की तरफ से मेरा एक सवाल है। उन्होंने कहा यह सवाल संबोधित कर रहा है, नफरत करने वाला / ट्रोलर्स को ।

आप उन लोगों के साथ वैज्ञानिक बातचीत को कैसे संभालते हैं, जो दुनिया के बारे में आपसे अलग के विचार रखते हैं या अलग-अलग दृष्टिकोण, अलग-अलग पहचान, बातचीत में अलग-अलग इनपुट जो आपके दृष्टिकोण के विपरीत हो सकते हैं? विज्ञान में समुदाय निर्माण के प्रयासों को बाधित किए बिना इसे संभालने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? यह प्रश्न सबके लिए है!

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: मुझे लगता है कि मैंने पहले ही बहुत अधिक बोल लिया है और मुझे लगता है कि लिसा के पास शायद यहाँ कुछ महत्वपूर्ण इनपुट हैं, लेकिन मैं लिसा की टिप्पणियों करते हुए जो उन्होंने पहले की थी,इस बात पर प्रकाश डालना चाहता हूँ कि समर्थन बहुत महत्वपूर्ण है। संस्थागत समर्थन। मुझे लगता है कि इस कार्यक्रम का एक बड़ा सबक अस्पतालों और अनुसंधान केंद्रों और फंडर्स को याद दिलाना है कि ऐसे व्यक्तियों का समर्थन करना है जो बाहर जाकर और जनता को शामिल करना चाहते हैं। वास्तव में, एक अध्ययन था जो हाल ही में सामने आया था जिसमें पाया गया था कि यह सबसे मजबूत भविष्यवाणियों में से एक था कि क्या एक अकादमिक, एक चिकित्सक, वगैरह, सोशल मीडिया पर संलग्न होगा यदि उन्हें लगे कि उनकी संस्था उनके साथ है?

अत्यंत महत्वपूर्ण। लिसा जिस बारे में बात कर रही थी, उसका समर्थन करने के लिए, उत्पीड़न पर, ट्रोल पर, इसके प्रभाव के बारे में अच्छा डेटा है। यह एक अध्ययन है, इसका अध्ययन करना भी कठिन है, लेकिन यह एक ऐसा अध्ययन था जिसमें मुझे जान से मारने की धमकी मिली है। मुझे यकीन है कि यहां सभी को ऐसी धमकी मिली है । इससे लड़ने के परिणामस्वरूप 91% ने अपमानजनक व्यवहार का अनुभव किया है, और हाँ, महिलाएं, रंग के लोग, परिमाण का क्रम बदतर है।

तो बिल्कुल, समर्थन 100% कुंजी है, यह काम करवाने की कुंजी है।

>> डॉ. पारशती पटेल: मैं इसमें एक बहुत ही व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ने जा रही हूं, जो मैंने अनुभव किया है। सुनिश्चित करें कि आपके पास इसके साथ जो कुछ भी करने की योजना है, उसे करने के लिए आपके पास मानसिक स्थिति है, चाहे वह प्रतिक्रिया देना हो या अनदेखा करना हो, क्योंकि यह इसका प्रभाव खतरनाक है। सिर्फ कमेंट देखकर और यह जानकर भी कि वो समूह आपके आसपास है। मैं हमेशा एक ऐसे नेटवर्क के बारे में बात करती हूँ जिनसे आप प्रतिक्रिया देने से पहले इस बारे में बात कर सकते हैं। जब आप इसे पहली बार देखते है तो आपको गुस्सा आ सकता है।

एक कदम पीछे हटते हुए, सुनिश्चित करें कि आपका मानसिक स्वास्थ्य उसी जगह है जहाँ आप चाहते है, लोगों से पहले से बात करना, यदि आप इसका जवाब देने की योजना बना रहे हैं। मेरा इसके साथ व्यक्तिगत अनुभव है, कभी-कभी आप इसे तब करते हैं जब आप गुस्से में होते हैं लेकिन आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। आप क्या पोस्ट कर रहे हैं और आप इसे कैसे कर रहे हैं, इसके बारे में सोचने से पहले आपको पीछे हटना चाहिए।

>> डॉ. लिसा रिचर्डसन: यह इतना अच्छा सवाल है दर्शकों में जिसने भी पूछा है। मैं उन लोगों के साथ उत्पादक संवाद के बीच अंतर करूंगी, जिनके पास अलग-अलग अनुभव या दृष्टिकोण हो सकते हैं और ट्रोल हो सकते हैं। बड़ा फर्क।

तुम्हें पता है, पहला टुकड़ा है, यहाँ क्या हो रहा है? ट्रोल मतलबी, दुर्भावनापूर्ण, आहत करने वाले होते हैं। यह बहुत ही-- इनमें के लिए एक बहुत ही व्यक्तिगत हमले का घटक होता है। जब मैंने पहली बार सोशल मीडिया से जुड़ना शुरू किया, तो मैं इस विनम्र व्यक्ति की तरह थी। ओह, मैं किसी को ब्लॉक नहीं कर सकती! [हँसी]। और अब, जीरो टॉलरेंस। जब मैं उस व्यवहार को देखती हूँ, तो सीधा ब्लॉक करती हूँ। मैं उससे जुड़ना नहीं चाहती। यह रचनात्मक बहु-दृष्टिकोण दृष्टिकोण को नहीं बढ़ा रहा है जो वास्तव में विज्ञान को आगे बढ़ाएगा। हम जानते हैं कि किसी भी

मुद्दे के बारे में व्यापक रूप से सोचना महत्वपूर्ण है, लेकिन तब नहीं जब यह उस तरह से किया गया हो या नहीं जब यह वास्तव में गलत सूचना फैला रहा हो।

तो मुझे लगता है कि यह उपाय है। मैं यह भी कहूँगी, समर्थन की इस धारणा को आगे बढ़ाते हुए। यह सिर्फ संस्थानों का समर्थन नहीं है। यह साथी ऑनलाइन समुदाय के सदस्यों का समर्थन है जो वास्तव में उस व्यक्ति को चूप कराते है या उन्हें ब्लॉक करने या उन्हें रिपोर्ट करते है और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है।

मुझे अक्सर पता चल जाएगा कि जब मैं कुछ पोस्ट करती हूँ COVID, टीके, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों, मास्क, वगैरह से संबंधित कुछ, मैं आमतौर पर जानती हूँ कि कौन सी चीज़ नकारात्मक प्रतिक्रिया को प्रज्वलित करेगी। और जब आप देखते हैं कि ट्वीट वायरल हो रहा है, ठीक है, हो गया चालू, 50 उत्तर, 60 उत्तर, मैं सचेत रूप से निर्णय लेती हूँ कि मैं उत्तरों को नहीं देखू। मैं उनमें से एक ,दो कमेंट को देखती हूँ और समझ जाती हूँ कि स्वर के संदर्भ में प्रवृत्ति क्या है, और फिर हम अक्सर बस एक ब्रेक ले लेते हैं और कभी-कभी किसी और की मदद से उन्हे देखते है और पता लगाते है कि, हाँ, कुछ बुरा हो रहा है। बस इसे नजरअंदाज करें। पार्शती के भावनात्मक बैंडविड्थ होने की बात के संदर्भ में, आपको वास्तव में अपनी भलाई की रक्षा करने के लिए ऐसा करना ही होगा।

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: अगर मैं जल्दी से अपनी बात रख सकती हूँ, तो मैं लिसा की इस बात से सहमत हूँ कि वास्तव में उन लोगों के बीच अंतर करना चाहिए जो शायद भ्रमित हैं, जो गलत सूचना देते हैं लेकिन आप पर हमला करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि वे एक एजेंडा पर काम कर रहे हैं, बनाम - - उस अंतर को बनाना चाहिए, विशेष रूप से क्योंकि उनमें से कुछ खातों में, हमने इसे अपने शोध में देखा है, जब आप iffy विज्ञान को बढ़ाके उन लोगों को देखना शुरू करते हैं, विशेष रूप से हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन जैसी चीजें, तो वे बिल्कुल भी वास्तविक लोग नहीं लगते हैं। ट्विटर पर बहुत सारे फर्जी खाते हैं, उनमें से कई में अधिक फोलोविंग या कोई भी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन नहीं है। क्या इनके टिप्पणियों का जवाब

देना समय का सदुपयोग है जो टिप्पणियाँ रचनात्मक नहीं हैं, वे एक टन लोगों तक नहीं पहुँचने वाली हैं और जो वास्तव में बातचीत में शामिल नहीं हैं? हमारे पास एक दिन में केवल इतनी ही ऊर्जा, इतना ही समय है। क्या हम इसका उपयोग इस तरह से कर सकते हैं जो वास्तव में उन लोगों तक पहुँचे जिनके पास एक सफल डिबंकिंग संदेश से प्रभावित होने की क्षमता है जैसा टिमोथी, कह रहे थे, इन ट्रोल और इन गहन अधिवक्ताओं जो केवल दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहे है,के बजाय वास्तविक जनता तक पहूँचे।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: अविश्वसनीय तर्क सामने रखे गए। मैं सहिष्णु सीमाओं जैसा विषय सुन रहा हूँ, हम अपने वैज्ञानिक समुदायों में क्या करेंगे और क्या नहीं करेंगे, इसके लिए स्वस्थ सीमाएं निर्धारित करना, और ऑनलाइन अजनबियों से हम क्या स्वीकार करेंगे और क्या नहीं, इसके लिए व्यक्तिगत सीमाएं भी करना, इसके बारे में समझ रहा हूँ। मुझे लगता है कि जब आप एक विज्ञान संचार करियर शुरू कर रहे हैं तो इस पर विचार करना वास्तव में अच्छी बात है।

एक और बात जो मैं उस संबंध में रखना चाहता था, वह है इस क्षेत्र में हमारी अपनी पहचान। यह प्रश्न आपके लिए है, पार्शती। आप एक संस्था के लिए सोशल मीडिया का प्रबंधन कर रहे थे। आप एक विभाग में थे। विज्ञान संस्थान का हिस्सा होने के साथ -साथ विज्ञान संचारक के रूप में अपनी व्यक्तिगत डिजिटल उपस्थिति का प्रबंधन करने का अनुभव कैसा था? आप जो करते हैं उसे करने में सक्षम होने के लिए आपने कौन से महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं?

>> डॉ. पारशती पटेल: हाँ, धन्यवाद। किसी संस्थान के लिए विज्ञान संचार करना आपके व्यक्तिगत खाते से बहुत अलग है। संस्था खातों का अपना व्यक्तित्व होता है, उनके अपने लक्षित दर्शक होते हैं, जो आपके व्यक्तिगत से बहुत अलग होते हैं।

यही मैंने खुद को और आपकी ताकत को जानने के बारे में बात की थी। मेरा व्यक्तिगत खाता विविध रंग के लोगों के लिए तैयार है, उन लोगो के लिए है जिन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे खगोल भौतिकी के क्षेत्र में जा सकते हैं और, आप जानते हैं, अंतरिक्ष के लिए मेरे जुनून को प्रदर्शित करने के लिए है । जब मैं अपना व्यक्तिगत खाता बना रही थी, तब मैंने उन सभी बातों

को ध्यान में रखा। मैं क्या साझा करना चाहती हूँ? मैंने क्या अनुभव किया है कि अन्य लोग मेरे अनुभव से सीख सकते हैं? मैं लोगों का यह विचार कि वैज्ञानिक पढ़ाकू होते है, इत्यादि के बारे में भी दिखाना चाहती हूँ। नहीं, मैं अपने जीवन में अन्य चीजें करती हूँ जो विज्ञान हैं क्योंकि मैं इसके बारे में भावुक हूँ, लेकिन साधारण चीजें जैसे खाना बनाना या रोमांटिक फिल्में देखना, यह चिजें भी करती हूँ।

मैंने अपना खाता बनाते समय बहुत सोचा, हाँ, मैं एक संस्था के साथ काम कर रही हूँ। हम उन चीजों को साझा और पोस्ट करते हैं जो कहते हैं कि मैं इस परियोजना का नेतृत्व कर रही हूँ, मैं यह कर रही हूँ, इत्यादि, लेकिन मेरा खाता वास्तव में मेरे बारे में है क्योंकि व्यक्तिगत बनाम संस्था खाता वास्तव में पूरी संस्था, इसके भीतर के लोगों, उनके उद्देश्य लक्ष्य के बारे में है, जो कुछ भी हो, और वह मुझसे बहुत अलग है।

इसलिए यदि आप अपना खुद का खाता बनाना शुरू कर रहे हैं, तो वास्तव में अपने बारे में जानने के लिए समय निकालें, अपनी ताकत का पता लगाएं, ऐसी चीजें जो लोगों के साथ प्रतिध्वनित होंगी, ऐसी चीजें जो दूसरे लोग साझा नहीं कर रहे हैं, उस अंतर को ढुंढे। हमने इसके बारे में बात की, तर्क में अंतर होता है लेकिन प्रस्तुति में भी अंतर होता है । आप जानते हैं, मुझे ऐसा लगा कि मैं किसी अन्य भारतीय खगोल भौतिकीविद को नहीं जानती

जब मैंने सोशल मीडिया पर शुरुआत की थी, तो मैं वास्तव में उन लोगों के लिए वहाँ रहना चाहती थी जो उस क्षेत्र में जाना चाहते थे। उन सभी अलग-अलग पहलुओं के बारे में सोचें जो आपके मूल मूल्य हैं और यदिआपके पास जादू की छड़ी हो और आप सोशल मीडिया पर उसका प्रभाव कर सकें, तो आप दुनिया को कैसे देखना चाहेंगे।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: धन्यवाद! और जैसे-जैसे हम विज्ञान संचार के क्षेत्र में अपनी पहचान में गोता लगा रहे हैं और अपनी आवाज़ों का उपयोग करना सीख रहे हैं, वैसे मैं दर्शकों से प्रश्नोत्तर

में से कुछ सवालों को संबोधित करना चाहता हूँ, जो सोशल मीडिया पर सूचना के नियमन के बारे में बात कर रहे हैं। जैसा कि हम व्यापक विज्ञान वार्तालाप को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका मतलब है कि अधिक से अधिक लोग बोलने वाले हैं। इसलिए जब हम जानकारी साझा कर रहे हैं, तो मैं जानना चाहता हूँ कि सोशल मीडिया और सूचना के विनियमन और उसे साझा करने पर आपके क्या विचार है? आपको क्या लगता है कि हम क्या कर सकते हैं या किया जाना चाहिए या किया जा रहा है कि विनियमन के संदर्भ में विज्ञान संचार प्रयासों को लाभ हो सकता है?

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: खैर, यह हमारे संस्थान में एक क्षेत्र है, जिस पर हम काम करते हैं और शोध करते हैं। जवाब है कि हमें यह और चाहिए। हमें और आवश्यकता है। मैं यहाँ बहुत सावधान रहने जा रहा हूँ। जब लोग "नियमन" शब्द सुनते हैं तो उन्हें लगता है कि मैं किसी प्रकार की नौकरशाही के बारे में बात कर रहा हूँ और मैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहा हूँ। बिल्कुल भी नहीं। वास्तव में, मैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहुत प्रबल समर्थक हूँ। मैं विचारों के बाजार में विश्वास करता हूँ, लेकिन यह स्पष्ट है कि हमें अधिक प्लेटफार्मों की आवश्यकता है। अच्छी खबर यह है कि - सदैव सकारात्मक रहने वाले लोग यह पहचानने लगे हैं कि उन्हें और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है और हम उनके कर्मों को बढ़ता देख रहे हैं । हम चेतावनियां, देख रहे हैं, जो रिडायरेक्ट हो जाती है।

शायद इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इस बात के प्रमाण देखना शुरू कर रहे हैं कि सोशल मीडिया पर किस प्रकार के उपकरण काम करेंगे क्योंकि, हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं। क्या रीडायरेक्ट काम करता है? क्या चेतावनी चीजों को बेहतर या बदतर बनाती है? हमें उस अच्छे अनुभवजन्य डेटा की आवश्यकता है। हम जो भी नियामक या नीतिगत कदम उठाते हैं, उसका सबूत होना चाहिए।

हमारे पास चरम चीजों के बारे में सबूत हैं जैसे कि डीप्लेटफॉर्मिंग यानी की सोशल मीडिया खाते को हटा देना या खत्म कर देना ।यह काम कर सकती है। मुझे वास्तव में लगता है कि

डीप्लेटफॉर्मिंग अंतिम उपाय माना जाना चाहिए और केवल कुछ स्पष्ट, पारदर्शी नियमों का उल्लंघन होने के बाद ही तैनात किया जाना चाहिए। मेरी भोली इच्छा है कि हम किसी प्रकार की स्वतंत्र निगरानी करें। ऐसा होने वाला नहीं है क्योंकि ये निजी अभिनेता हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ये नियामक कदम उठा रहे हैं।

मैं कुछ जल्दी कहना चाहता हूँ, मुझे लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। कुछ ऐसा जो अभी कनाडा की राजनीति में भी हो रहा है और निश्चित रूप से अमेरिकी राजनीति में हो रहा है, लोग इन प्रयासों को ऐसे चित्रित कर रहे हैं जैसे कि यह सेंसरशिप है, स्वतंत्रता का उल्लंघन है। यहाँ तक कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में, हमने द वाशिंगटन पोस्ट में सम्मानित लोगों द्वारा यह कहते हुए सुना है कि इससे लड़ने से चीजें बदतर होने वाली हैं, यह सेंसरशिप है। यह सच नहीं है। इसका शून्य प्रमाण है। मैं दर्शकों को चुनौती देता हूँ, कुछ ऐसा हाइलाइट करें जो COVID के दौरान सामने आया जो स्पष्ट रूप से सच था जिसे सेंसर किया गया था या खामोश कर दिया गया था। आप यह नहीं कर सकते।

इसके विपरीत, हमारे अपने शोध से पता चला है कि विपरीत सच है। गलत सूचनाओं का बोलबाला था। साहित्य में झूठा संतुलन था। लोग दुनिया के सबसे लोकप्रिय केबल समाचार शो टकर कार्लसन देखते है और सेंसरशिप की शिकायत करते हैं। वे जो रोगन पर जाते हैं और कहते हैं, मुझे चुप कराया जा रहा है। ऐसी गलत सूचना पर विश्वास मत करो । हम जिस चीज के बारे में बात कर रहे हैं वह स्पष्ट रूप से गलत सूचना है। वहाँ जो नफरत ही है वह स्पष्ट रूप से नफरत है। यह हाशिये पर विषय नहीं है। यह लोग इस बारे में बहस नहीं कर रहे हैं कि आपको ओमाइक्रोन से कितनी प्रतिरक्षा मिलती है और बूस्टर कब लेना चाहीए।

हम जिस चीज के बारे में बात कर रहे हैं वह स्पष्ट रूप से गलत सूचना है और इसके बारे में पर्याप्त चीजे नहीं की गई थी । हमें गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए और अधिक नियामकों की आवश्यकता है। यह जिम्मेदारी से, पारदर्शी तरीके से, कानून के शासन के भीतर किया जा सकता है, लेकिन इसे करने की ज़रूरत है।

मैने यहाँ बहुत देर बोल लिया, रेवेन! तुमने मुझे किसी तरह बोलने में प्रोत्साहित किया। [हँसी]

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: नहीं, यह बहुत महत्वपूर्ण है--मुझे लगता है कि जानकारी का प्रभाव पड़ता है, और हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम किसी भी संभावित तबाही पर अंकुश लगाएं। वे इसलिए हो सकते हैं क्योंकि किसी के पास गलत जानकारी है या वह जानकारी की व्याख्या नहीं कर रहा है। यह ऐसा कुछ है जिसके बारे में हम सभी को जागरूक होना चाहिए। मुझे बहुत सारी चिंताएँ हैं, विशेष रूप से, आप जानते हैं, अभी नकली वीडियो हैं और वे वीडियो में झूठी छवियां थोप रहे हैं जिसे अप्रशिक्षित आंखों को अलग करना बहुत कठिन हो रहा है।

अब मुझे पता चला है कि आवाज को पुनः सृजन करने की तकनीकें हैं। मुझे लगता है कि एडोबे अभी कुछ ऐसा लेकर आया है जहाँ वे वास्तविक वार्तालापों को पुन: उत्पन्न करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप बोल रहे हैं और किसी को मध्य वाक्य में छींक आती है और शायद कुछ शब्द छूट जाते हैं, तो वे वाक्य को भरने के लिए एआई जनरेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं और ठीक वही कह सकते हैं जो कहा गया था और यह बहुत आसानी से किया जा सकता है।

इसलिए जब हम विनियमन के बारे में बात करते हैं, तो मुझे आशा है कि हम इन सभी उभरती प्रौद्योगिकियों की गति को पकड़ने और बनाए रखने के लिए पर्याप्त तेज़ी से कार्य करने में सक्षम हो जोप्रौद्योगिकियाँ हम जो देखते हैं और जो हम सुनते हैं उसे बदल सकती हैं। तो हाँ, मैं भी उतना ही भावुक हूँ, क्योंकि हमारा भविष्य दांव पर है।

मैं थोड़ा घूमना चाहूंगा और मेरे पास लिसा के लिए एक प्रश्न है।

मैं जानना चाहता हूँ कि ऐसी कौन सी बुद्धिमान प्रथाएं हैं जो आपके विज्ञान संचार कार्य का समर्थन करती हैं और आपके काम को प्रभावी ढंग से करने देती हैं।

>> डॉ लिसा रिचर्डसन: तो मुझे लगता है कि मैंने उनमें से कुछ के बारे में पहले से ही बात कर ली है, रेवेन, लेकिन मैं दोहराती हूँ। फिर से, मुझे लगता है कि मेरा काम नम्रता के मूल्य पर

आधारित है, इसलिए मैं सिर्फ यह कहकर प्रस्तावना देने जा रहा हूँ कि मैं यहाँ जो कह रही हूँ वह मेरे लिए कारगर रहा है, दूसरों को समझने के अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं।

मुझे लगता है कि वास्तव में यह उन चीजों में से एक थी जो मुझे शुरू में सोशल मीडिया में शामिल होने के बारे में अजीब लगी, मुझे लगा कि यह खुद को बढ़ावा नहीं देने और विनम्र नहीं होने और आप कौन हैं और आप कहाँ से आते हैं और आप हमेशा बढ़ रहे है और सीख रहे हैं, इसके बारे में जागरूक नहीं होने के मूल्य के खिलाफ जा रहे थे। कुछ मायनों में मेरे साथ डिस्कनेक्ट हो गया था। क्या मैं वास्तव में शामिल होना चाहती हूँ? ऐसा लग रहा था कि मैं खुद को जबरदस्ती सार्वजनिक तरीके से पेश कर रही थी ।

लेकिन मुझे लगता है, सच्चा इरादा होने के बारे में पार्शती की बात को आगे बढ़ाते हुए, यह सोचना कि आपने इन विभिन्न प्लेटफार्मों के साथ इस तरह से जुड़ने का विकल्प क्यों चुना है? आपका लक्ष्य क्या है? आप किसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है, जब आप किसी संस्थान में काम कर रहे होते हैं, जब आपके पास वैधता होती है, उदाहरण के लिए, मेरे साथ विभिन्न नेतृत्व खिताब जो कि संस्थानों का एक हिस्सा हैं जैसे चिकित्सा के संकाय। यह समझना ज़रूरी हैं कि वास्तव में इसके साथ जिम्मेदारी आती है। भले ही “मेरे पास मेरे अपने ट्वीट हैं”, “वास्तव में, उन शीर्षकों के कारण मुझे एक महत्वपूर्ण वैधता मिलती है।

इस चीज़ के बारे में वास्तव में जागरूकता होनी चाहिए । और जब आप उस भूमिका को निभा रहे होते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि आप क्या जिम्मेदारी निभा रहे है।

नंबर दो वास्तव में यह पता लगाना है कि आपकी विशेषज्ञता का क्षेत्र क्या है? जैसे, मुझे लगता है कि नम्रता का टुकड़ा यह है कि मैं अभी कुछ साझा कर रही हूँ । जब मैं वहाँ कि जब मैं कुछ साझा करती हूँ तो अक्सर इसके प्रति सचेत रहती हूँ कि संभवतः 26,000 लोग इसे देखने जा रहे हैं।

मेरा मतलब है, यह वास्तव में मेरे विचारशील और विनम्र होने का कारण बनता है और मैं सोचती हूँ कि, क्या मैं वास्तव में यही साझा करना चाहती हूँ?

यह बहुत ही नियंत्रित करने वाला लगता है, लेकिन जो जिम्मेदारी मेरे पास है, उसके कारण मैं जो काम करती हूँ, मैं इस बारे में बहुत सचेत हूँ कि मैं वहाँ क्या कर र रही हूँ? यह क्या संदेश दे रहा है? अगर मैं कुछ रीट्वीट कर रही हूँ तो मैं किसकी आवाज को बढ़ावा दे रही हूँ? क्या यह वह विज्ञान है जिस पर मुझे विश्वास है? क्या मैंने पेपर पढ़ा है? क्या मैंने इसे अपने स्वयं के सूक्ष्म नज़रिये के साथ देखा है? क्या मैं इसका समर्थन करना चाहती हूँ?

यदि यह कुछ ऐसा है जो दवा और स्वास्थ्य से संबंधित नहीं है, तो मैं इसे क्यों साझा कर रही हूँ? मैं इसलिए साझा करती हूँ क्योंकि मैं अपने अभ्यास, मन, शरीर, आत्मा और भावना के उस समग्र तरीके में विश्वास करती हूँ। मैं सिर्फ़ एक चिकित्सक और शिक्षक ही नहीं, बल्कि एक इंसान भी हूँ, इसलिए मैं इसके प्रति बहुत सचेत हूँ ।

फिर से, आप अपने अपनी विचारधाराओं के कौन से विभिन्न भाग साझा करेंगे और कौन से नहीं करेंगे?

और फिर अंत में, वे कौन से मूल्य हैं जिन्हें आप कार्य में साझा कर रहे हैं? मेरा पोर्टफोलियो और मेरे जीवन का काम एक ऐसा वातावरण बनाने के बारे में रहा है जहाँ लोग अपनेपन की भावना महसूस करे, जहाँ जो लोग हमारे संस्थानों में नहीं हो पाए हैं वे स्वागत महसूस करें, देखा हुआ और सुना हुआ महसुस करें। तो मेरे लिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि मैं अपने काम में उन मूल्यों को बनाए रखू, तब भी जब मैं मतलबी और विट्रियल का सामना कर रही हूँ ।

इसी क्षण मैं वह गहरी सांस लेती हूँ और कहती हूँ कि ठीक है, इसे अभी के लिए बंद कर देती हूँ। मुझे एक छोटे से ब्रेक की जरूरत होती है, क्योंकि उस क्षण में,मैं उन मूल्यों को बनाए रखने और सलाह देने और आदर्श बनाने में सक्षम नहीं हूँ जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। मुझे आभास होता है कि मैं प्रतिक्रियाशील हो रही हूँ और इसलिए इसे बंद कर देती हूँ ।

तो यही कुछ चीजें हैं, यही तरीके है जिससे मैं इस काम को करती हूँ ।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बहुत-बहुत धन्यवाद! मेरा एक सवाल है, मैं उस पर थोड़ा और ध्यान देने जा रहा हूं। यह दर्शकों का एक सवाल है जो मुझे लगता है कि बहुत अच्छा है। वे व्यक्तिगत कहानियों और उपाख्यानों को साझा करने के बारे में पूछ रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि वे कभी-कभी केवल वैज्ञानिक तथ्यों को बताने की तुलना में अधिक शक्तिशाली होते हैं।

मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूँ कि क्या आप सभी के पास कोई ऐसी रणनीति है कि आप वैज्ञानिक जानकारी के साथ अपने व्यक्तिगत आख्यान को कैसे बुनते हैं और उस सापेक्षता का निर्माण करते हैं और आपके वैज्ञानिक संदेश में भेद्यता को शामिल करते है?

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: हाँ, यह एक अच्छा सवाल है क्योंकि इस विचार का समर्थन करने के लिए वास्तव में अच्छा सबूत है कि इससे फर्क पड़ता है। फर्क पड़ता है से मेरा मतलब है कि एक कथा साझा करना, आपके संदेश को कर्षण देता है, चाहे वह कर्षण बेहतर हो या बदतर।

वास्तव में कुछ दिलचस्प शोध हुए हैं जो इस बारे में बात करते हैं कि कैसे एक उपाख्यान, एक प्रशंसापत्र, वैज्ञानिक रूप से सोचने की हमारी क्षमता को बंद कर देगा। गलत सूचना फैलाने का यह एक तरीका है। वे डरावने आख्यानों का उपयोग करते हैं जो विज्ञान के प्रति हमारी पुर्ववृत्ती को प्रभावित करती है, लेकिन हमें यह चिजें अच्छे कारणों के लिए उपयोग करनी चाहिए।

यह किस्सा vs. किस्सा नहीं है। यह लोगों को अच्छे विज्ञान से जोड़ने के लिए कहानियों और आख्यानों का उपयोग करना है ।

जैसा कि पार्शती ने कहा था, मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूँ । मैं फिर से शब्दों के नृत्य का प्रयोग करूंगा। मुझे लगता है कि लिसा ने इस पर भी बात की थी । आप अपने बारे में कितनी चीजे साझा करते हैं? कुछ हद तक ज़रूर करते है । आप प्रामाणिक और मानवीय बनना चाहते हैं। इसका समर्थन करने के लिए एक शोध है। यदि आप ऐसे व्यक्ति है जो न केवल आंकडे के रूप

में बल्कि सूचना देने वाले व्यक्ति के रूप में सामने आ रहे हैं, तो वह प्रामाणिकता वास्तव में संचार प्रक्रिया में मदद करती है। मैं अपने परिवार के बारे में कितनी बात करता हूँ या अपने बच्चों के बारे में कितना खुलासा करता हूँ, इस बारे में सीमाएं तय करता हूँ । मुझे यकीन है कि हर कोई ऐसा ही करता है। मुझे लगता है कि आपको अपने बारे में थोड़ा सा खुलासा करना चाहिए क्योंकि यह "सोशल" मीडिया है और हम बातचीत का हिस्सा बनना चाहते हैं।

वैसे, हम एक विज्ञान संचारक होने के बारे में सोशल मीडिया पर इन सभी नकारात्मक चीजों के बारे में बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें सहानुभूती दिखानी चाहिए, रेवेन, वहाँ एक अद्भुत बढ़ता हुआ वैज्ञानिक समुदाय है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप इस अद्भुत, विविध समुदाय का हिस्सा बन जाते हैं, जो वास्तव में फायदेमंद है। मुझे लगता है कि इस पर भी जोर देना जरूरी है।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बिल्कुल! हमारे अन्य पैनलिस्टों की ओर से कोई अन्य भावनाएँ?

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: मैं बोलना चाहूँगी। मैंने अपनी प्रस्तुति एक ऐसी कहानी के साथ शुरू की जो सबसे रोमांचक कहानी नहीं थी, लेकिन बहुत सारा विज्ञान अत्यंत सारगर्भित है। जैसे, मैं संचार का अध्ययन करती हूँ जिसे मैं नहीं जानती कैसे सैम चित्र बनाने में सफल हो रहा है, क्योंकी जो मैंने कहा उसकी आपके दिमाग में कोई छवि नहीं आ पाती है। महत्वपूर्ण विचारों की अवधारणा का कोई तरीका नहीं है जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं और विज्ञान हर दिन संलग्न है, चाहे वह जैव-अणु स्तर पर हो, चाहे वह बाहरी अंतरिक्ष में हो जिसे आप नहीं देख सकते। कहानी बहुत ठोस है इसलिए लोगों को समझने में मदद करने का और अर्थ का एक ऐसाअतिरिक्त स्तर प्रदान करने का है जिसे लोग पाने में सक्षम ना हो यह एक तत्व है।

यहाँ कहानी का एक आकर्षक भाग है और एक आश्वस्त करने वाला भाग है, लेकिन कहानी का एक शुद्ध समझ वाला हिस्सा भी है। हम कहानियों में जानकारी को संसाधित करने के लिए कड़ी मेहनत करते, यही वजह है कि वे दुष्प्रचार या गलत सूचना फैलाने के लिए प्रभावी हैं, लेकिन इसे खारिज करने के लिए भी काफी प्रभावी हैं।

दूसरा अंश जो मैं उजागर करना चाहती हूँ, जिस पर पहिले ही थोड़ी चर्चा हुई है लेकिन मैं और जोर देना चाहती हूँ। सबसे प्रभावी संचारक विश्वसनीय और नर्म होते हैं। वे इंसान हैं और वे विशेषज्ञ हैं। मुझे लगता है कि इस पैनल में हर कोई, जो मैंने सोशल मीडिया पर देखा है, उन दोनों भूमिकाओं में है। ठीक उसी तरह,जिस तरह से आप अभी खुद को प्रस्तुत कर रहे हैं, अपनी व्यक्तिगत यात्राओं के बारे में कुछ बता रहे हैं, पार्शती और लिसा। वे सभी चीजें उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी आपके नाम के पीछे की पदवियाँ। उस संतुलन को ढूँढ़ना न केवल आपको एक संचारक के रूप में सहज और प्रामाणिक बनाने वाला है, बल्कि यह आपके दर्शकों के साथ इस तरह से भी प्रतिध्वनित होगा जो बहुत शक्तिशाली है।

>> डॉ. पारशती पटेल: मैं जो ऐलिस और टिम ने कहा है, उसमें कुछ जोड़ रहा हूँ। मुझे अपने अनुभव से चीजें लाना पसंद है, क्योंकि विभिन्न संस्कृतियों की अलग-अलग कहानियाँ और अलग-अलग अनुभव हैं। दो अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजों का मतलब कुछ अलग होता है।

उदाहरण के लिए, मैंने महामारी के दौरान नींबू पानी पीने या उससे मिलता जुलता विडियो बनाया था। मुझे यह अनुभव इसलिए मिला क्योंकि मेरा परिवार यह घर पर कर रहा था और मैं उनकी बात सुन रही थी और जिसे सुनने पे मैंने पुछा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसका कोई प्रमाण नहीं है। और इस चीज़ को अपनी कहानी में, अपने वीडियो में लाना, और उसके बारे में बात करना, इस बात से फर्क पड़ता है क्योंकि, जैसे कि आप जानते हैं, प्रत्येक संस्कृति की अपनी रूढ़ियाँ होती हैं, अपने विचार होते हैं, उनके अपने अनुभव होते हैं जिनसे वे संबंधित महसुस कर सकते हैं।

आपकी प्रस्तुति का महत्वपूर्ण बोलने के कारणों में से एक कारण यह है कि, जैसा कि आप जानते हैं, किसी अन्य संस्कृति से कोई व्यक्ति है, मैं उनके अनुभवों और उनकी दिनचर्या के बारे में नहीं जानता। इसलिए इसे याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है। आप जो कर रहे हैं वह है खुदको प्रस्तुत

करना- यह भेद्यता इस तथ्य से आती है कि आपके पास उस संस्कृति के कुछ अनुभव और ज्ञान हैं जो आप साझा कर रहे हैं।

>> डॉ लिसा रिचर्डसन: क्या मैं भी कुछ कह सकती हूँ, रेवेन? आप जो कह रहे हैं, पार्शती, उससे संबंधित मैं और बोलना चाहुँगी। मेरा बहुत सारा काम स्वास्थ्य देखभाल में नस्लवाद को बाधित करने के आसपास रहा है। नस्लवाद के रूपों में से एक जिसे हम अक्सर नहीं देखते हैं और जिसके बारे में हम बात नहीं करते हैं, वह है जिसे मैं कहती हूँ, और जिसे कहा जाता है, ज्ञान - मीमांसा का नस्लवाद। हम किस प्रकार के ज्ञान को महत्व देते हैं? ऐसा क्यों है कि यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जिसके बारे में हमने अभी-अभी लिखा है, अक्सर बहुत विशेष समूहों को बाहर कर देता है? हमेशा स्वर्ण मानक प्रमाण को क्यों महत्व दिया जाता है, जब आपके पास बीमारी के साक्षात अनुभव वाले कई रोगियों के अनुभव और कहानि याँ हो सकती हैं जो वास्तव में महत्वपूर्ण और वैध भी हैं?

किसी भी तरह से सुझाव नहीं दे रही-- मैं एक चिकित्सा वैज्ञानिक हूँ । बेशक मैं दिशानिर्देशों, परीक्षणों, वगैरह के आधार पर अभ्यास करती हूँ, लेकिन मैं जो कहना चाहती हूँ वह यह है कि "सबूत" के ये सभी अन्य रूप हैं जिन्हें अस्वीकार कर दिया गया है या नहीं सुना गया है।

और हम जानते हैं, उदाहरण के लिए, स्वदेशी विज्ञान में, हमारे बड़ों से आने वाली कहानियाँ हजारों वर्षों के पैतृक ज्ञान का प्रतिनिधित्व केवल एक ही कहानी में कर देती है ।

हम ज्ञान के विभिन्न रूपों को कैसे देखते हैं? हम किस प्रकार के ज्ञान को महत्व देते हैं? मेरे लिए, कला साझा करने का कारण यह है कि संस्कृति और कला उपचार का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह उस तरह से विज्ञान और स्वास्थ्य से अलग नहीं है जिस तरह से एक जैव वैज्ञानिक लेंस में देख पाता है। इसी तरह, कहानियाँ भी यही काम करती हैं।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: अविश्वसनीय तर्क। इसे साझा करने के लिए बहुत - बहुत धन्यवाद। दर्शकों की ओर से एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है। हम अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में

बहुत बात कर रहे हैं। लेकिन सरकार या बड़े संस्थानों या शायद सार्वजनिक अधिकारियों, सार्वजनिक हस्तियों से संचार के बारे में क्या जिनसे शायद हम इतने करीब नहीं हैं या ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से पहुँचने योग्य नहीं हैं? हम किस तरह से संपर्क करें?-- हमें विज्ञान संचार को कैसे सोचना चाहिए? आप क्या सोचते हैं कि इन संस्थानों या सार्वजनिक हस्तियों को विज्ञान संचार को किस दृष्टीकोण से सोचना चाहिए? दोनों के बीच विश्वास स्थापित करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: मैं फिर से बोलना चाहुँगा, क्षमा करें। मेरे पास इस बारे में भी मजबूत विचार हैं, रेवेन। कृपया, अधिक! यह मेरा सारांश है ।

वाकई। मुझे लगता है कि संस्थान, चाहे आप एफडीए, स्वास्थ्य कनाडा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के बारे में बात कर रहे हों, हमें उन्हें विज्ञान संचार में शामिल करने की आवश्यकता है। और अच्छी खबर यह है कि वे हैं। मुझे लगता है कि यह महामारी की विरासतों में से एक है, इस बात की बढ़ती मान्यता कि विश्वसनीय संस्थानों द्वारा साझा की गई चीजे कितनी मूल्यवान है।

मुझे लगता है कि, "विश्वसनीय" शब्द बहुत महत्वपूर्ण है। मैं यह भी आशा करता हूँ, यह एक भोली आशा है, कि हम इस बात की सराहना करेंगे कि भरोसेमंद ज्ञान कितना महत्वपूर्ण है। मुझे आशा है कि ये संस्थान इसे भी पहचानेंगे और जब वे ज्ञान का उत्पादन करते हैं और जब वे इसका अनुवाद करते हैं, तो वह हमेशा पृष्ठभूमि में होता है। इस पर भरोसा होना चाहिए और यह भरोसेमंद होना चाहिए।

मुझे लगता है कि उन्हें सांस्कृतिक क्षणों में शामिल होने से नहीं शर्माना चाहिए। एफडीए ने आइवरमेक्टिन के बारे में एक प्रसिद्ध ट्वीट किया था । तुम घोड़े नहीं हो, तुम गाय नहीं हो, सच में, बंद करो! एफडीए ने ऐसा किया यह मुझे पसंद आया। उन्होंने बहुत ऊर्जा ली। हम अब एक अलग युग में हैं। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ये संस्थाने सहभाग ले रही है।आकर्षक हों। आइए इन पॉप संस्कृति क्षणों का उपयोग विज्ञान के बारे में सिखाने के लिए

करें। हां, यह सम्मानजनक होना चाहिए, यह स्पष्ट रूप से विज्ञान-सूचित होना चाहिए, लेकिन यह साझा करने योग्य होना चाहिए और मुझे लगता है कि यह मजेदार हो सकता है।

ओटावा पब्लिक हेल्थ एक अद्भुत काम करता है। मुझे विश्वास है कि ScienceUpFirst भी अच्छा काम करेगा। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि ऐसा करते समय हम विविध लोगो के विचारों का उपयोग कर रहे हों। न केवल एक संस्थागत आवाज बल्कि विविध आवाजों का उपयोग करने के अवसर से। कृपया, अधिक करें।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: मेरे पास इसके बारे में एक त्वरित प्रश्न या टिप्पणी है। मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करने में कुछ सावधानी बरतनी चाहिए कि हम सही जानकारी के बिना लोगों का मज़ाक नहीं उड़ा रहे हैं उन लोगों को अलग समझ रहे जो केवल गलत जानकारी के शिकार है या जानकारी पर प्रश्न उठा रहे है,उन लोगों से जो जान- बूझकर गलत जानकारी फैला रहे है।

मैं सोच रहा हूँ कि उस पर आपके क्या विचार हैं? रेखा कहाँ है? उदाहरण के लिए, एफडीए कह रहा है कि तुम घोड़े नहीं हो, तुम कुत्ते नहीं हो, ऐसा मत करो। क्या यह आपत्तिजनक है? क्या आपको लगता है कि यह किसी ऐसे व्यक्ति के लिए अपमानजनक होगा, जिसने सोचा था कि यह सही है? बेशक मैं घोड़ा या कुत्ता नहीं हूँ, तुम्हें पता है। आप उस रेखा को कैसे खींचते हैं?

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: यह एक अच्छा सवाल है। मेरी अपनी व्यक्तिगत रणनीति है, जिसे मैं कुछ पल में स्पर्श करूंगा, और एक संस्थागत रणनीति है।

मुझे लगता है कि सही समय मायने रखता है। एफडीए ने वह ट्विट देर से किया। ऐसा नहीं था कि लोग आइवरमेक्टिन की जांच कर रहे थे। वे इसकी कीमत/ उपयोगिता पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसा तब किया गया जब क्लिनिकल परीक्षण ने हमें बताया कि यह काम नहीं कर रहा है। वास्तव में एक कोक्रेन सहयोग अध्ययन विश्लेषण है जो हमें बताता है कि इस वातावरण में काम नहीं करता है। और मुझे लगता है कि वास्तव में महत्वपूर्ण बात यह है कि वह जो लोग उस

समय आईवरमेक्टिन को लेके इतना आगे बढ़ रहे थे, उनके पास स्पष्ट रूप से एक एजेंडा था। यह टीकाकरण विरोधी समुदाय था।

मुझे लगता है कि जब यह उस स्तर पर पहुंच जाता है, तो अपने दस्ताने को थोड़ा सा उतारना उचित होता है। मुझे यह भी लगता है कि यह हल्के मन से किया गया था किसी विशेष व्यक्तियों के लिए नहीं था।

मेरा व्यक्तिगत दृष्टिकोण यह है कि, जब कोई व्यक्ति उत्तर खोजने की कोशिश कर रहा है, तो मैं कभी उसका मजाक नहीं उडाता । आपको हमेशा सुनना चाहिए । आपको हमेशा सम्मानपूर्वक संलग्न होना चाहिए । यदि सामने आरोन रोजर्स है और आप अपने व्यक्तिगत ब्रांड से $500 मिलियन प्रति वर्ष कमाते हैं, तो मुझे लगता है कि यह एक पॉप संस्कृति का क्षण है। यदि आप ग्वेनेथ पाल्ट्रो हैं जो गलत सूचना से लाभ कमाते हैं, तो अपने दस्ताने उतार दें और इसके साथ कुछ मज़े करें।

अगर यह एक व्यक्ति है और वे जवाब ढूंढ रहे हैं, तो मुझे लगता है कि हमेशा सम्मानजनक जुड़ाव ही होना चाहिए। यदि आप एक बंक मास्टर हैं, जैसा कि मैं बोलना पसंद करता हूँ

इसे एक पॉप कल्चर मोमेंट के रूप में उपयोग करें। मैं बहुत देर से बोलरहा हूँ, मैं क्षमा चाहता हूँ । फिर भी, रेवेन, मैं उनको जरूरी - तौर पर शिकार नहीं बनता।। मैं इसे विज्ञान के बारे में बात करने के लिए एक पॉप संस्कृति क्षण के रूप में उपयोग करता हूँ ।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: बहुत-बहुत धन्यवाद! मैं सैम की ड्राइंग को देख रहा हूँ और मैंने देखा कि उसके पास टिकटॉक, इंस्टाग्राम और आपके पास जो सोशल मीडिया है, उनके आइकन थे। मैं उस बारे में बात करना चाहता हूँ जो हाल ही में मेरे सामने लाई गई थी ।

मैंने एक पत्रकार के साथ बातचीत की जो COVID-19 महामारी का दस्तावेजीकरण कर रही थी । वह अपनी चिंता और सूचना के छोटे से छोटे रूपों में संघनित होने की प्रवृत्ति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दबाव के बारे में बता रही थी। जबकि शायद तीन या चार साल पहले भी, कोई

शायद बैठकर Covld - १९ के बारे में जानने के लिए 10 मिनट का वीडियो देखता होगा। अब, हमारे पास इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की नवीनतम पीढ़ी है, पीढ़ी अल्फा और पीढ़ी Z, जो टिकटॉक पर हैं और 30 से 60 सेकंड की जानकारी का उपभोग कर रहे हैं। पत्रकार मुझे बता रही थी कि आप जानते हैं, मैं कहानियाँ सुनाती हूँ, मैं कथाएं साझा कर करती हूं, और मेरा काम है - उसका काम है, वह यह भी नहीं जानती कि इसे 30 सेकंड में कैसे संक्षिप्त किया जाए। वह चीज़ करने के लिए अगली पीढ़ी के विज्ञान संचारकों पर निर्भर है ।

आप जो काम करते हैं, उसके बारे में आप कैसा महसूस करते हैं? आप बारीकियों को कैसे नेविगेट करते हैं और इन सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करने और इसे 30 से 60 सेकंड में कैसे डालते आते हैं? आपके लिए यह करने का अनुभव कैसा है? या इस पर आपके क्या विचार हैं?

>> ऐलिस फ्लेयरकर्स: मैं कहुँगी कि मैं इस चीज़ में अतीत में बुरी तरह विफल रही हूँ। मैं एक प्रचारक हुआ करती थी और मैं रेडियो पर जाकर अपने पूरे तीन मिनट जिसके बारे में मैं बात करने जा रही थी उसकी बाधाओं के बारे में बताने में लगाती थी।

मैं बहुत बडी सोशल मीडिया उपयोगकर्ता नहीं हूँ। मैं ट्विटर का उपयोग करती हूँ क्योंकि वहा मेरा समुदाय है, वहीं विज्ञान संचारक हैं और वही पत्रकार हैं और वे दर्शक हैं जिन्हें मैं लक्षित करती हूँ । लेकिन सामान्य तौर पर, हम इस बात पे सोचना शुरू कर सकते हैं कि सबसे महत्वपूर्ण संदेश क्या है? ऐसे समझिए, अर्थ की सबसे छोटी इकाई क्या है जिसे आप साझा कर सकते हैं? और यह शायद किसी भी तरह के विज्ञान संचार के लिए एक प्रभावी रणनीति है, उस महत्वपूर्ण संदेश पर पूरी तरह स्पष्ट होना । जैसा कि एक पत्रकार करता है, शुरुआत उसी से करें। ध्यान रहे कि 10 सेकंड बीत जाने के बाद आप लोगों को खो देंगे। बाद में अपने वीडियो में या जो आप वीडियो बना रहे है या ट्वीट या ट्वीट्टर थ्रेड इस्तेमाल कर रहे है उसे विस्तार वर्णन बाद में लाएं, लेकिन सुनिश्चित करें कि उसका शीर्षक, आपका संक्षिप्त उपाख्यान जो आप पहले 10 या 30 सेकंड में बताने वाले, वह ऐसी सबसे महत्वपूर्ण बात बता रहा है जो आप बताने की

कोशिश कर रहे हैं और उसे सटीकता से बता रहे है। यानि कि यह सुनिश्चित कर रहे है कि उसमे अतिशयोक्ति नहीं है और एक तरह से संतुलित है।

यह बहुत, बहुत चुनौतीपूर्ण है, मैं खुद से यह सवाल पूछता हूं: अगर कोई इसे सुनता है या इसे पढ़ता है या इसे देखता है और उन्हें मैंने कहा हुआ, कुछ याद ना रहे, तो मेरी ऐसी क्या चिज़ है जो मैं चाहता हूं कि वे अपने साथ ले जाएं? और कभी-कभी बस उस बात पर पूरी तरह स्पष्टता मिलना आपको एक कहानी खोजने में मदद करेगा, यहां तक कि एक बहुत ही छोटा मजाक या उपाख्यान जो इसे प्रभावी ढंग से संप्रेषित करता है। आप रुचि रखने वालों के लिए वह अतिरिक्त संदर्भ या विस्तार वर्णन आगे के हिस्सों में कर सकते हैं।

>> डॉ लिसा रिचर्डसन: क्या आपको याद है, जैसे, मुझे याद है कि मेरे गैर-विज्ञान पाठ्यक्रमों में अंडरग्रेजुएट में निबंध लिखना पड़ता था और प्रोफेसर के यह बताने पे कि, यह केवल 500 शब्द का निबंध है तो कितनी खुशी होती थी? और यह सोचते थे कि १०-२० पन्नों के मुकाबले यह कितना आसान होगा। और फिर आप जल्दी ही महसूस करते हैं, वाह, इसे संक्षिप्त करना बहुत कठिन है, लेकिन यह आपको सोचने के लिए मजबूर करता है कि आप संक्षिप्त में क्या संदेश देना चाह रहे हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि इसका दूसरा पक्ष बारीकियाँ, संवाद है, कि ऐसे प्लेटफोर्म पर लंबे समय तक जुड़ाव नहीं हो सकता है, इसलिए जब मैं इस बारे में बात करता हूँ तो कहता हूँ कि यह सुनिश्चित करें कि यह मंच किस लिए है। मैं इसके प्रति बहुत सचेत हूँ कि आप - कुछ चीजें ऐसी हैं जो - जिन्हें बहुत प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया जा सकता है, और मुझे लगता है कि अन्य जगहें संवाद और बारीकियाँ महत्वपूर्ण हैं, जहाँ आपको संचार करने के विभिन्न तरीकों को देखना होगा । खैर यह मेरा पूर्वाग्रह है।

>> डॉ. पारशती पटेल: मैं देख रही हूँ कि टिम बोलने के लिए तैयार है। [हँसी]

>> प्रोफेसर टिमोथी कौलफील्ड: नहीं, आप आगे बढ़ें।

>> डॉ पारशती पटेल: मुझे लगता है कि मैं इस बात से सहमत हूँ, इससे पहले कि आप कुछ भी पोस्ट करें, इसमें बहुत मेहनत लगती है। मैं उस छोटी रील के बारे में बात कर रही थी कि आप बहुत सोचते हैं, कि ऐसी कौन सी एक चीज है जिसे आप चाहते हैं कि वे अपने साथ ले जाएं, वह एक प्रभावशाली चिज़ जो 30 सेकंड तक चले और 10 सेकंड देखने के बाद बंद न हो।

मैं अपने दर्शकों को ध्यान में रखती हूँ, इसलिए जब मैं कोई पोस्ट बनाती हूँ, जिसमें किसी तरह की सांस्कृतिक प्रासंगिकता है, मैं अपनी माँ के बारे में सोचती हूँ । अंतरिक्ष के बारे में उनकी कोई पृष्ठभूमि नहीं है, और मैं यह सोचने की कोशिश करती हूँ कि वह कौन सी चीज है जिसे वे उस भाषा में जानना चाहेंगी जिसे वे समझ पाए। इसलिए आपको बहुत सोचना पड़ता है कि आपके दर्शक कौन हैं। आप हमेशा अपने सोशल मीडिया पर हर किसी तक नहीं पहुंच सकते हैं, लेकिन वास्तव में वह एक व्यक्ति आपके दिमाग में होता है और आप चाहते हैं कि वह 30 सेकंड में कोई विशेष चिज़ ले जाएं जो आप चाहते है। यह कहकर मैं यहाँ रुकना चाहुँगी।

>> प्रोफेसर तीमुथियुस कौलफील्ड: मैं संक्षिप्त में कुछ कहुँगा। मुझे पता है कि हमें अंत तक जाना है। यह एक चुनौती है। यह एक ऐसी चुनौती है जिसे मैं तब पसंद करता हूँ जब मैंने विज्ञान संचार की टोपी पहनी होती है क्योंकि यह एक वास्तविक चुनौती है, जैसा कि ऐलिस ने शुरुआत में बताया था, यह सोचना कि उस संदेश को कैसे बाहर लाया जाए। आपके पास सैम जैसे असली विशेषज्ञ हैं जो जादू कर रहे हैं, जिनपर आप अद्वितीय चीजें करने के लिए निर्भर रह सकते हैं और उनके साथ सहयोग कर सकते हैं।

दूसरी बात जो मुझे लगता है कि महत्वपूर्ण है, जिसके बारे में लिसा ने मुद्दा उठाया था, वह है

विनम्र रहना। आप इसे हमेशा सही तरीके से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभी भेजा हुआ संदेश गलत होने ही वाला है, ट्वीट गलत होने वाला है, इंस्टाग्राम पोस्ट गलत होने वाला है, संदेश गलत होने वाला है, और आप इसकी वजह से सुनेंगे ही। इसे एक अवसर के रूप में उपयोग करें। मैं गलत था, तुम सही हो। पोस्ट संपादित करें, पोस्ट हटाएं, प्रतिक्रिया दें। विज्ञान उलझा हुआ है। हम एक समुदाय हैं जो इस चीज़के बारे में बात कर रहे हैं, तो हाँ, यह कठिन है इसलिए इसे

करने में संकोच न करें । लेकिन साथ ही, विनम्र रहें अपनी ग़लती सुधारने में संकोच न करें। मुझे लगता है कि विज्ञान इन्हीं सब चीजों के बारे में है।

>> डॉ. रेवेन बैक्सटर: क्या ही बढ़िया नोट पे समाप्त किया है! यह एक अविश्वसनीय चर्चा रही है। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं आप सभी के साथ इन सभी विषयों पर और एक, दो, तीन घंटे तक बात कर सकता हूँ । हमारे पास एक पूरा कोर्स हो सकता है। दुर्भाग्य से, हमें अपने कार्यक्रम को समाप्त करना होगा।

फिर से, मैं प्रत्येक व्यक्ति को आज के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, हमारे अविश्वसनीय वक्ताओं। लिसा, टिम, ऐलिस और पार्शती, आपकी आकर्षक प्रस्तुतियों और वास्तव में रोमांचक बातचीत के लिए धन्यवाद, बहुत ही व्यावहारिक चर्चा थी । आपने हम सभी के पास सोचने के लिए बहुत कुछ छोड़ा है।

मुझे लगता है कि हमें सैम के साथ भी जांच करनी है। मैं सैम की ड्राइंग भी देखना चाहता हूँ। यहाँ बहुत कुछ चल रहा है। धन्यवाद, सैम, आज हमारे साथ आने और काम करने के लिए, हमारे साथ ड्राइंग चेंज से आकर सहयोग करने के लिए, और आज की बातचीत को वास्तविक समय में सोच-समझकर तैयार करने के लिए।

आप सोशल मीडिया @GairdnerAwards और Gairdner की वेबसाइट gairdner.org पर अंतिम ड्राइंग पा सकते हैं।

मैं प्रस्तुत भागीदारों, ScienceUpFirst और कनाडा की रॉयल सोसाइटी के साथ इस कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए Gairdner Foundation को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज के प्रायोजक CIHR और कनाडा सरकार को धन्यवाद।

और अंत में, उन सभी को धन्यवाद जो वस्तुतः हमसे जुड़े। आप सभी के पास अद्भुत प्रश्न थे। इस शानदार बातचीत को बनाने में हमारी मदद करने के लिए धन्यवाद। समाप्त करने से पहले, मेरे पास एक बड़ी घोषणा है। गेर्डनर फाउंडेशन व्यक्तिगत रूप से 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर

तक अपने वार्षिक विज्ञान सप्ताह की मेजबानी कर रहा है, लगभग तीन वर्षों में पहली बार। कितना रोमांचक है! आप 2022 गेर्डनर पुरस्कार विजेताओं और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई का जश्न मनाने के लिए एक सप्ताह की संगोष्ठी और अन्य कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। आप सोशल मीडिया @GairdnerAwards पर फॉलो कर सकते हैं।

खैर, मुझे इस बात का दुख है कि कार्यक्रम का अंत हो रहा है। आज सुबह इन अति महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करते हुए खुशी हुई। मैं आप सभी को सोशल मीडिया पर फॉलो करना सुनिश्चित करूंगा ताकि हम जुड़े रहे और विज्ञान को एक साथ करने के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठा सकें। चलो साथ में सामाजिक हो जाओ! आपका पूरा दिन आराम से बीते और फिर से धन्यवाद।